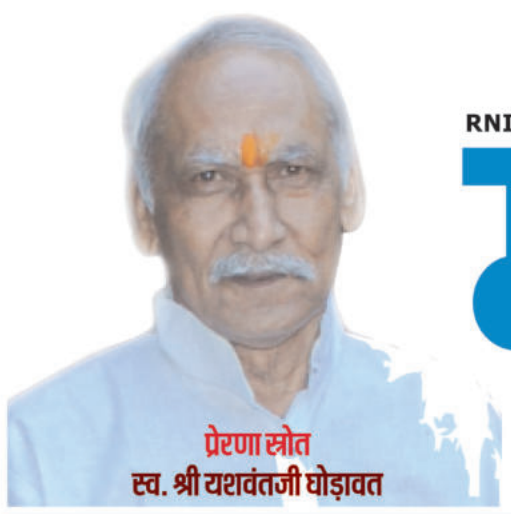

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

लोग तुम्हारे स्वाभिमान की तब तक परवाह नही करेंगे जब तक कि तुम खुद को साबित करके नहीं दिखा देते।

रतन टाटा

वर्ष-06, अंक - 01 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 05 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

माही की गूंज बना जनता के विश्वास की आवाज

सफलतम 5 वर्ष पूर्ण

झाबुआ जिले जैसे आदिवासी अंचल में अखबार चलाने का विचार करना ही अपने आप में बहुत ही बड़ी बात होती थी और वह भी वर्तमान डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया का अखबार चलाना अपने आप में लोहे के चने चबाने जैसा कार्य था। लेकिन माही की गूंज की दृढ़ इच्छा शक्ति और आम जनता के स्नेह और आशीर्वाद से यह मुश्किल काम भी आसानी से हो पाया है। क्योंकि दिल्ली-भोपाल में बैठकर प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने या लिखना आसान कार्य है लेकिन जिले के छोटे से छोटे गांव में रहकर वहां के सरपंच, सचिव या अन्य नेता, अधिकारी या जनप्रतिनिधि के बारे में लिखना बहुत ही मुश्किल कार्य है। माही की गूंज टीम ने न केवल इस कार्य को बखूबी अंजाम दिया है, बल्कि भय... भूख... अन्याय.... भ्रष्टाचार... के खिलाफ लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की यह यात्रा आज 5 वर्ष पूर्ण कर छठवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। किसी भी कार्य के आकलन के 5 वर्ष का समय कम नहीं होता है और हमारे संवैधानिक प्रावधान के अनुसार जनप्रतिनिधियों और सरकारों का कार्यकाल भी 5 वर्ष ही होता है। उस हिसाब से देखे तो माही की गूंज ने अपने 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है। इन 5 वर्षों में माही की गूंज ने जिला स्तर से ऊपर उठकर प्रादेशिक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। जनता का विश्वास जीता है। वहीं अन्याय और शोषण के खिलाफ अपने तेवर तेज किए हैं। जिसका प्रतिफल यह है कि, शासन और प्रशासन में बैठे नुमाईंदे के मन में माही की गूंज का डर है और यह डर उन्हें गलत और नियम विरुद्ध कार्य करने से रोकता है। वही आम जनता के मन में माही की गूंज के प्रति विश्वास की डोर मजबूत हुई है। इन वर्षों में अगर हम देखे तो माही की गूंज ने भ्रष्टाचारियों और माफियाओं की नींद हराम कर दी है। चाहे वह भू-माफिया हो, खनन माफिया हो, डीजल माफिया हो, शराब माफिया या फिर शासन-प्रशासन द्वारा की गई मनमानी हो माही की गूंज ने अन्याय व अत्याचार के खिलाफ बेबाकी के साथ सच लिखा है और इस सच को हमारे पाठकों के साथ आम जनता ने पसंद भी किया है और सराहा भी है।

अविभाजित झाबुआ जिले की पत्रकारिता जगत के पितृ पुरुष स्वर्गीय यशवंत जी घोड़ावत की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह सफर अब कारवा बनता जा रहा है। माही की गूंज ने न केवल पत्रकारिता जगत में भ्रष्टाचार को जनता के सामने रखा है, वरन कई मोको पर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां का भी भलीभांति निर्वाह किया है। कोविड जैसे महामारी के दौर में माही की गूंज ने पत्रकारिता के साथ अपने मानवीय गुणधर्म का निर्वहन करते हुए सरकार के साथ लॉकडाउन के पालन में व टीकाकरण प्रोत्साहन में अपनी महती भूमिका निभाई। यही नहीं समाज की प्रतिभाओं को उचित सम्मान देने के उद्देश्य से माही की गूंज द्वारा प्रतिवर्ष स्वर्गीय यशवंत घोड़ावत जी की स्मृति में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाता रहा है।

इन 5 वर्षों के कार्यकाल में कई उपलब्धियां रही। साथ ही कई संकल्पो और जन आकांक्षाओं को पूरा किया जाना शेष है। फिर भी इन 5 वर्षों में माही की गूंज ने सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस अवसर पर सभी प्रभुत्वजनों, पाठकों, विज्ञापन दाताओ और शुभचिंतकों का हृदय से आभार...

साथ ही इसी जोश और उमंग से छटवे वर्ष में भी यह कलम अनवृत चलती रहेगी... न थकेगी... न झुकेगी... और न ही थमेगी... आप सभी का आशीर्वाद और स्नेह इसी प्रकार मिलता रहेगा... इन्ही आशाओं के साथ

माही की गूंज परिवार

ऊंचाई पर बैठकर चीन को धूल चटाएगी भारतीय सेना

ईटानगर, एजेंसी।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच दशकों से तनाव बना हुआ है। भारत एलएसी पर अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस बीच भारतीय सेनाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सशस्त्र बलों को वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब, सुपर फायरिंग रेंज वाली जगह प्रदान की है। अत्यंत संवेदनशील वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से 50 किलोमीटर के हवाई दायरे के भीतर अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न तरह के हथियारों और निगरानी उपकरणों के अभ्यास के लिए इस अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित दो 'फायरिंग रेंज' को सशस्त्र बलों को उपलब्ध कराया गया है।

10 हजार फीट से ऊपर और एलएसी से लगभग 50 किमी दूर स्थित इन दो रेंजों का नाम कैमराला और मंडला है। दोनों रेंजों की जमीन सौंपने की अधिसूचना को मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंजूरी दे दी है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि 'बुलंद भारत' नाम का पहला एकीकृत निगरानी और मारक क्षमता प्रशिक्षण अभ्यास मई में मंडला में किया जा चुका है, जबकि कामराला फायरिंग रेंज में अभी एक बड़ा फायरिंग अभ्यास किया जाना बाकी है। दोनों सुपर हाई एल्टीट्यूड फायरिंग रेंज एलएसी से 50 किलोमीटर की हवाई दूरी के भीतर स्थित हैं।

अरुणाचल प्रदेश चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के साथ एक हजार 129 किलोमीटर लंबी एलएसी साझा करता है। क्षेत्र में तैनात एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में दोनों फायरिंग रेंज मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू की व्यक्तिगत पहल पर सशस्त्र बलों को उपलब्ध कराई गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, राष्ट्रीय हित पहले आते हैं। हमने सशस्त्र बलों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए दो फायरिंग रेंज के लिए जमीन सौंपने का फैसला किया है।

पिछले वर्ष नौ दिसंबर को यांगस्ते में पीएलए (चीनी) सैनिकों ने घुसपैठ की थी। यह क्षेत्र तवांग जिले में मुख्यमंत्री के अपने विधानसभा क्षेत्र मुक्तो के अंतर्गत आता है। पीएलए सैनिकों के यांग्स्ते में प्रवेश करने के बाद वे भारतीय सेना से भिड़ गए थे, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के सैनिक घायल हुए थे।

सूत्रों ने कहा कि, दोनों फायरिंग रेंज सशस्त्र बलों के लिए बेहद फायदेमंद होंगे क्योंकि लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में ऊंचाई वाले रणनीतिक स्थानों पर तैनात सैनिक गोलीबारी का अभ्यास कर सकते हैं और इसमें कुशल बन सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अभ्यास विशेष बलों, अरुणाचल प्रदेश के कामेंग और तवांग में तैनात वायु एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के साथ निकट समन्वय में किया गया।

आधे वोटरों से पूरे वोट की दरकार

विपक्ष और सरकार दोनों है बेकरार

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

चुनाव सर पर आते ही अचानक सभी राजनीतिक दलों में अपने आप को महिलाओं को ज्यादा हितेषी बतलाने की होड़ सी मच गई है। एक और जहां कांग्रेस ने महिलाओं को प्रतिमाह 15 सौ रूपये महीना देने की गारंटी दी थी और अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से आवेदन भी भरवाए थे। उसके ऊपर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मास्टर स्ट्रोक खेलते हुए लाडली बहना योजना लॉन्च कर दी और प्रतिमाह 1 हजार रूपये से आरंभ कर इसे 3 हजार रूपये तक करने का आश्वासन दिया है। वर्तमान में 1250 प्रतिमाह दिया जा रहा है और चुनाव की आचार संहिता के पूर्व इसे 15 सो रुपए प्रतिमाह करने की सुगबुगाहट है। यही नहीं केंद्र भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने भी इस मामले में एक कदम आगे बढ़ते हुए 27 वर्षों से लंबित महिला आरक्षण विधेयक को नाम बदलकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाकर इसे दोनों सदनों से पास भी करवा लिया और इस बिल पर चर्चा के दौरान सभी दल नारियों का सम्मान करते दिखाई दिए। वरन अपने आप को अन्य दलों से ज्यादा नारी हितेषी बतलाते नजर आए।

इस गहमा-गहमी में एक बात तो तय है कि, सभी दल केवल और केवल देश की आधी आबादी के वोट पाने की जुगाड़ में दिखाई दे रहे है। अब जबकि मध्य प्रदेश सहित चार अन्य राज्यों में चुनावी आचार संहिता कभी भी लग सकती है। वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में भी 6 माह से कम समय बचा है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के वोट पाने के लिए कई लोग लुभावना घोषणा की जा रही है। मध्य प्रदेश में तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना के बाद लाडली बहनों को उज्जवला गैस सिलेंडर 450 रुपए देने व लाडली बहन का मुफ्त आवास देने जैसी घोषणा भी की है। अब देखना यह है कि, देश के आधे वोटरों से पूरे वोट की इच्छा रखने वाले दलों में सफलता किसे मिलती है। क्योंकि नारी से नारी के मन की बात जानना मुश्किल है ये तो ईवीएम मशीन ही बताएगी।

रेप कांड के आरोपी के घर चला मामा का बुलडोजर

माही की गूंज, उज्जैन।

महाकाल की नगरी उज्जैन में नाबालिग लड़की से रेप करने के आरोपी के अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई हुई है। नगर निगम की टीम यहां बुलडोजर लेकर पहुंची और आरोपी के अवैध निर्माण को देखते ही देखते ध्वस्त कर दिया गया। सतना जिले की रहने वाली 12 वर्ष की एक लड़की जब हाल ही में उज्जैन पहुंची थी तब उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। खून से लथपथ यह लड़की सड़क पर भटकती नजर आई थी। पुलिस ने इस मामले में 72 घंटे की सघन जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था। आरोपी का नाम भरत सोनी बताया गया था। आरोपी पेशे से एक ऑटो चालक है।

उज्जैन में सतना जिले की नाबालिग बालिका से हुई दरिंदगी के मामले में बुधवार को पुलिस-प्रशासन के साथ नगर निगम का अमला आरोपी भरत सोनी के अवैध कब्जे पर पहुंचा था। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल राजस्व विभाग की टीम और नगर निगम अमला मौजूद था। हालांकि, आरोपी के परिवार वालों ने पहले ही अपना साजो-समान निकलना शुरू कर दिया था। गौरतलब है कि आरोपी के परिवार ने यहां 20 वर्षों से कब्जा जमा रखा था और आरोपी का एक भाई पूर्व में हिस्ट्रीशीटर रहा है जिसकी मौत हो चुकी है। उज्जैन के नानाखेड़ा इलाके में रेप कांड के आरोपी भरत सोनी का घर है। 20 सालों से यहां पर इन्होंने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा था। इन लोगों ने घर के अंदर मंदिर भी बनाया था। जिस वक्त यह कार्रवाई की गई उस वक्त वहां आरोपी के माता-पिता मौजूद थे। आरोपी का एक अन्य भाई पास में ही चाय की दुकान चलाता है।

जिस वक्त प्रशासन बुलडोजर की यह कार्रवाई कर रहा था उस वक्त आसपास के लोग यहां जमा हो गए थे। हालांकि, इस कार्रवाई में किसी तरह का व्यावधान उत्पन्न ना हो इसके लिए पुलिस-प्रशासन ने भी अपनी पूरी तैयार कर ली थी। भारी प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

आदित्य एल1 तय कर चुका चंद्रयान से चार गुना लंबा सफर

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का महत्वाकांक्षी सूर्य मिशन अपने लक्ष्य की ओर लंबा सफर तय कर चुका है। आदित्य एल1 मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर निगार शाजी ने एक साक्षात्कार के दौरान बताया कि आदित्य अब पृथ्वी से 10 लाख किलोमीटर दूर चला गया है और जनवरी के पहले सप्ताह में ही यह अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा। बता दें कि एल1 पॉइंट की दूरी पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर की है जहां तक आदित्य मिशन को जाना है। हालांकि आगे का पांच लाख किलोमीटर का रास्ता बेहद सावधानी से तय करना है। पृथ्वी और सूर्य दोनों की ओर से लगने वाले गुरुत्वाकर्षण को बैलेंस करके आगे का सफर तय करना होगा।

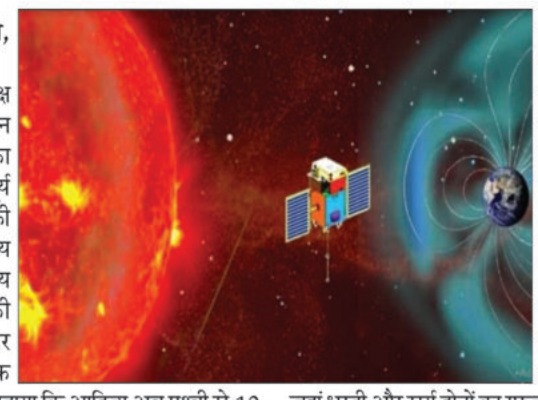

इसरो ने इससे पहले चंद्रयान को चंद्रमा पर भेजा था। पृथ्वी से चांद की दूरी 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर के लगभग है। ऐसे में सूर्य मिशन अब तक चंद्रयान से चार गुना ज्यादा दूरी तय कर चुका है। बता दें कि भारत का चंद्रयान 3 मिशन पूरी तरह से सफल रहा है। उम्मीद थी कि इसे 14 दिन की लूनर नाइट के बाद फिर से जगाया जा सकेगा हालांकि यह संभव नहीं हो पाया। अब लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान भारत के राजदूत के तौर पर चांद पर ही रहेंगे।

निगार ने कहा, हम पहली बार एल1 पर जा रहे हैं। यह एक ऐसा काल्पिनिक पॉइंट है जहां धरती और सूर्य दोनों का गुरुत्वाकर्षण बैलेंस हो जाता है।ऐसे में स्पेसक्राफ्ट को धरती और सूर्य के बीच संतुलन बनाना होता है जो कि चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। यह उसी तरह है जैसे कि पर्वत के शिखर पर किसी गेंद को बैलेंस करना। उन्होंने कहा कि स्पेसक्राफ्ट की भी इंजीनियरिंग काफी जटिल है।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऐस्ट्रोफिजिक्स की डायरेक्टर डॉ. अन्नापूर्णी सुब्रमण्यम ने बताया कि, आखिर सूर्य के अध्ययन की जरूरत क्यों है। उन्होंने कहा कि यह मिशन सूर्य के कोरोना के तापमान और ऊर्जा के साथ ही इसके गर्म होने की प्रक्रिया और मास इंजेक्शन के बारे में अध्ययन करेगा। इसके अलावा सोलर विंड ग्रहों को प्रभावित करती है। इसके बारे में अध्ययन करना जरूरी है कि आखिर इसका प्रभाव कैसे पड़ता है।

बापू किसके...? चुनावी माहौल में राजनीति की भेंट चढ़ी गांधी जयंती

राजनीतिक रोटियां सेकने के चक्कर में पार्टियों ने अपने-अपने झंडे लगाए, एक -दूसरे के निकाले

माही की गूंज, झाबुआ।

बापू ने जब भारत को आजाद कराने की अलख जगाई, अंग्रेजों से लोहा मौल लिया और लगातार आजादी की लड़ाई लड़कर देश को आजादी दिलाई और पूरे देश में तिरंगा लहराया। उस वक्त शायद बापू ने यह सोचा भी नहीं होगा कि, आने वाले समय में वे सिर्फ राजनीति करने भर का जरिया बन जाएंगे और उनकी जयंती पर तिरंगे को एक तरफ रखकर राजनीतिक झंडे लगाने की होड़ मची होगी। एक-दूसरे की पार्टियों के झंडे फैके जाएंगे और एक-दूसरे पर छींटा कसी की जाएगी। शायद बापू ने सोचा ही नहीं होगा कि, एक दिन देश की राजनीति का स्तर इस कदर गिर जाएगा की नेता मुझे श्रद्धांजलि देने भी राजनीतिक स्वार्थ के चलते आएंगे और मेरी प्रतिमा के सामने अपने-अपने झंडे लगाने को लेकर विवाद करेंगे या एक-दूसरे के झंडे निकालकर फैकेंगे और अपने-अपने झंडे लगाएंगे। ऐसा करके वे यह बताएंगे कि, अब यह बापू का भारत नहीं रहा यह पूरी तरह से दलों, पार्टियों और समाजों में बंट चुका है। बापू की 154 वीं जयंति आते-आते हालात कुछ ऐसे हो गए है कि, अब यह सवाल उठ रहा है कि, आखिर तिरंगा कहां है... और आखिर बापू किसके...?

बापू के इस देश में उनके ही अपने सिद्धांत अब गौण नजर आते है। क्योंकि इस देश की राजनीति इतनी गंदी हो चुकी है कि, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी अब राजनीति का शिकार होना पड़ रहा है। उनकी ही जयंति पर उनकी ही प्रतिमा के सामने यह सवाल खड़े किये जा रहे है की आखिर बापू किसके...? यही गंदी राजनीति इस बात का कारण बनेंगी और आने वाली पीढ़ियों के मन में भी यही सवाल उठेगा कि, महात्मा है, बापू है, राष्ट्रीय पिता है....मगर आखिर बापू किसके...? कांग्रेस के या भाजपा के या अन्य किसी राजनैतिक पार्टी के...? इस बार राजनीति की भेंट चढ़ी गांधी जयंती तो यही दर्शा रही है।

असल में इस गांधी जयंती पर झाबुआ बस स्टेंड के समीप लगी गांधी जी की प्रतिमा पर कोई भी दल दिल से श्रद्धा-सुमन अर्पित करने पहुंचा ही नहीं था। क्योंकि यह प्रदेश में चुनावी समय है और राजनीतिक रोटियां दोनों ही दलों को सेकना है। तो बापू को कैसे अकेला छोड़ा जा सकता है। दोनों प्रमुख राजनीतिक दल एक ही समय पर पहुंच गए, बापू को धोक देने... क्योंकि सेकना तो अपनी राजनीतिक रोटी ही थी, सो सेक ली।

दरअसल इस गांधी जयंती पर हुआ कुछ ऐसा कि, दोनों ही राजनीतिक दलों का बापू प्रेम ऐसा जागा कि, श्रद्धांजलि और पुष्पांजलि अर्पित करने की होड़ मच गई। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल एक समय पर प्रतिमा स्थल पर पहुंच गए। बात कुछ यूं शुरू हुई कि, गांधी जयंती के एक दिन पहले भाजपा ने प्रतिमा स्थल के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान प्रतिमा के आसपास कांग्रेस के झंडे लगे हुए थे। जिन्हे भाजपाईयों ने निकालकर प्रतिमा के पीछे की तरफ फैंक दिया। कांग्रेस ने एक दिन पहले गांधी जयंती पर प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि का कार्यक्रम घोषित किया। जिसमें विस्तार से समय का उल्लेख भी किया गया।

2 अक्टूबर सोमवार को गांधी जयंती के दिन सुबह भाजपा के नेता अपने कार्यकर्ताओं के साथ उसी समय में पहुंचे जिस समय कांग्रेस ने कार्यक्रम की घोषणा की थी और अपनी पार्टी के झंडे लगाते हुए बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके तुरंत बाद कांग्रेसी नेता प्रतिमा स्थल पर पहुंचे। कांग्रेसियों ने पहुंचते ही पहले प्रतिमा स्थल से भाजपा के झंडे निकालकर फैंके और अपनी पार्टी के झंडे लगा दिए। इस दौरान दोनों ही दलों के नेताओं के बीच हल्की-फुल्की ही सही लेकिन नोक-झोंक हुई। यह नोक-झोंक भले ही हल्की-फुल्की हुई हो लेकिन सवाल कई बड़े और भारी छोड़ गई। बाद में कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

यह पूरा मामला एक तरह से मन को विचलित करने वाला ही है। एक आम आदमी के मन में इस तरह की घटना को लेकर एक बहुत ही घटिया राजनीति की परिकल्पना बनती दिखाई देती है। जो यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि, आखिर हमारे देश में राजनीति का स्तर किस हद तक गिर चुका है। आखिर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने का यह कैसा तरीका है...? क्या अब बापू को श्रद्धांजलि देने के लिए पार्टी के झंडे होना इतना अधिक आवश्यक है...? क्या यह घटना आखिर यह नहीं दर्शा रही की आखिर बापू अब किसके...? क्या यह नहीं हो सकता था की तमाम नेता चाहे वह किसी भी पार्टी के हो तिरंगा अपने हाथ में लेकर आते और बापू को श्रद्धांजलि देने पहुंचते...? क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ी को महात्मा गांधी का परिचय ऐसे और इतने घटिया तरीके से करवाएंगे कि, वह यह सोचने पर मजबूर हो जाए की आखिर बापू किसके...? यह वह सवाल है जो झाबुआ के हर आम नागरिक के मन में हिलोरे ले रहे है। मशवरा यही है कि, किसी भी महात्मा को याद अगर करना है और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है तो सबका एक ही झंडा होना चाहिए और वो है तिरंगा...। क्या यह अच्छा नही होता कि, राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि तिरंगे के साथ दी जाती.... क्योंकि बापू तो सबके है...!

विधानसभा चुनावों को लेकर जिले की राजनीति में उबाल

उबलती खिंचड़ी किसकी ढूलती है, यह समय के गर्त में

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में विधानसभा चुनावों को लेकर आचार संहिता लगने के पहले ही काफी हलचल देखी जा रही है। कांग्रेस यहां अब तक खामोश नजर आ रही है तो वहीं भाजपा में भूचाल आया हुआ है। जिले की तीनों विधानसभाओं पर भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। लेकिन कांग्रेस अब तक इस मामले में शांत नजर आ रही है। कांग्रेस की अब तक कोई अधिकृत सूची जारी नहीं हुई है। मगर अंदाजे भर से अब तक काम चल रहा है। वैसे तो प्रदेश में भाजपा ने करीब 78 से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा की जारी पहली सूची में झाबुआ-आलीराजपुर जिले की पांच में से तीन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम पहले ही सामने आ चुके थे। पहली सूची के बाद आलीराजपुर की जोबट और झाबुआ की थांदला सीट को पेंडिंग में रखा गया था। मगर भाजपा की जारी हुई दूसरी सूची में झाबुआ जिले की थांदला विधानसभा पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। अब झाबुआ-आलीराजपुर जिले की कुल पांच सीटों में से चार पर भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अब आलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा को ही पेडिंग में रखा गया है।

झाबुआ जिले की बात करें तो झाबुआ विधानसभा से भाजपा ने भानू भूरिया को मैदान में उतारा है। इसके अलावा पेटलावद विधानसभा से निर्मला भूरिया बीजेपी की तरफ से मैदान में है। थांदला से कलसिंह भाबर को फिर से मौका दिया जा रहा है। आलीराजपुर जिले की आलीराजपुर विधानसभा से नागरसिंह फिर से मैदान में है। जोबट विधानसभा सीट अब तक पेंडिंग में चल रही है। यहां अंदाजा लगाया जा रहा है कि, भाजपा की वर्तमान विधायक सुलोचना रावत के पुत्र विशाल रावत और माधौसिंह डावर के बीच पैंच फंसा हुआ है। अब देखना यह है कि, जोबट विधानसभा के लिए भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व किस नाम पर मोहर लगाता है।

सबसे रोचक झाबुआ विधानसभा

जिले की झाबुआ विधानसभा सीट इस बार सबसे रोचक मानी जा रही है। भाजपा की जारी पहली सूची में झाबुआ विधानसभा के लिए भानू भूरिया को भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। हालांकि जब से घोषणा हुई है। तब से लेकर अब भानू का बहुत अधिक विरोध देखने को मिल रहा है। कारण यह है कि, इस विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक सहित कई लोग उम्मीद्वारी की दौड़ में थे। पार्टी की ओर से भानू भूरिया का नाम सामने आने के बाद यह विरोध और अधिक मुखर होता दिखाई दिया है। इस विधानसभा सीट पर भाजपा की स्थिति कुछ ठीक नहीं दिखाई दे रही है। पहले भानू भूरिया को लेकर यह विरोध था कि, उनके पास संगठन के एक से अधिक पद है और बावजूद इसके उन्हे उम्मीद्वार भी घोषित किया गया। जन आशिर्वाद यात्रा के दौरान पूर्व विधायक शांतिलाल बिलवाल ने पार्टी के आला नेताओं को भी भानू भूरिया के प्रत्याशी होने को लेकर अपना विरोध दर्ज करवाया था। भानू के विरोध को देखते हुए पार्टी ने जिला कार्यवाहक अध्यक्ष की घोषणा प्रवीण सुराना के रूप में कर दी। पार्टी के इस फैसले से भानू के विरोध में कितना फर्क आया यह तो पार्टी ही जाने, लेकिन अब कुछ तो है जो यह दर्शा रहा है कि भाजपा में आपसी तालमेल नहीं बैठ पा रहा है।

भाजपा ने जिला कार्यालय बदला

इसको लेकर कई तरह की बातें चौराहों पर चर्चा में है कि चुनाव सर पर है और भाजपा अब भी जिले में गुटों में बटी नजर आ रही है। इसका एक प्रमाण बताने वाले यह भी बताते है कि प्रवीण सुराना के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनते ही भाजपा का कार्यालय क्यों बदल दिया गया। जबकि भानू के जिलाध्यक्ष बनने के बाद ही बीजेपी ने अपने नए कार्यालय में प्रवेश किया था। मगर महज कुछ महीनों में ही प्रवीण सुराना के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनते ही फिर से भाजपा का कार्यालय नई जगह बना दिया गया। लोगों का तो यह भी मानना है कि विश्व की सबसे अमीर पार्टी जिले में अपना खुद का एक ढंग का कार्यालय अब तक नहीं बना पाई है। किराए के मकानों में भाजपा कार्यालय फुटबाल बना हुआ है। वैसे भी भानू का विरोध तो अब भी है, चाहे वह छुपकर बाहर का विरोध हो या अंदरखाने संगठन के अंदर का, मगर विरोध तो है। कुल मिलाकर झाबुआ विधानसभा में कुछ तो है जो ठीक नहीं चल रहा है।

कांग्रेस ने जारी नहीं की सूची

विधानसभा को लेकर कांग्रेस ने अभी तक कोई अधिकृत घोषणा नहीं की है, लेकिन यह माना जा रहा है कि, झाबुआ जिले की तीनों विधानसभाओं में लगभग वही चेहरे रहेंगे जो वर्तमान में विधायक है। हां झाबुआ विधानसभा में थोड़ा बहुत फैर बदल हो सकता है, क्योंकि वर्तमान में यहां से कांग्रेस के कांतिलाल भूरिया विधायक है और हो सकता है की उनकी जगह झाबुआ विधानसभा से उनके पुत्र डॉ. विक्रांत भूरिया को कांग्रेस मैदान में उतार दे।

थांदला में हो सकता है कड़ा मुकाबला

थादंला विधानसभा को भाजपा ने पहली सूची में पेंडिग रखा था मगर दूसरी सूची में यहां से कलसिंह भाबर का नाम घोषित किया जा चुका है। हालांकि यहां भी कई कद्दावर नेता उम्मीदरवारी की दौड़ में थे, लेकिन कलसिंह भाबर का नाम घोषित होने के बाद स्थितियां साफ हो गई। इस विधानसभा पर भाजपा का अपना अंदरूनी कोई विरोध या बगावत अब तक तो देखने को नहीं मिली है। हां यह जरूर है कि कलसिंह भाबर की स्थिति को अगर देखा जाए तो कुछ खास दमदार नजर अब तक तो नहीं आ रही है। पिछले वर्ष हुए पंचायती राज चुनाव में उनके गृह क्षेत्र से एक भी जनपद सदस्य भाजपा का नहीं जीत पाया था। जबकि वर्तमान में कलसिंह भाबर भाजपा अजजा मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष भी है। पिछले वर्ष हुए पंचायती राज चुनाव के परिणाम कहीं न कहीं कलसिंह भाबर की स्थिति को कमजोर ही बता रहे है।

कांग्रेस की ओर से थांदला विधानसभा सीट पर अब तक कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन यहां वर्तमान कांग्रेसी विधायक वीरसिंह भूरिया के ही रिपिट होने की संभावना जताई जा रही है। वैसे वीरसिंह भूरिया कांग्रेस के एक कद्दावर नेता है और पूरी विधानसभा ही नहीं अपितु पूरे जिले में गांधीवादी नेता के नाम से मशहूर है। अपने विधानसभा क्षेत्र में उनकी एक अलग ही छवि है और बहुत ही मजबूत पकड़ रखते है। इसलिए थांदला विधानसभा सीट पर इस बार चुनाव कड़ी टक्कर का हो सकता है। मगर कांग्रेस ने अब अपनी सूची ही जारी नहीं की है।

पेटलवद में स्थिति डामाडोल

इसके अलावा पेटलावद विधानसभा की बात करें तो यहा से निर्मला भूरिया एक बार कांग्रेस से विधायक रही वही इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होकर 1998 में अविभाजित जिले में पहली भाजपा की विधायक पेटलावद से बनी। जिसके बाद 2003 व 2013 में भाजपा से विधायक बनी। वही 2008 व 2018 में हारी। वही भाजपा से 6टी बार विधायक उम्मीद्वार घोषित कर निर्मला पर विश्वास जताया है। लेकिन इतने लंबे समय में अपने लिए कुछ खास छवि बनाने में नाकाम रहीं है। हमेशा से अपने पिता दिलीपसिंह भूरिया के नाम और दम पर ही वे जीतती आई है। पेटलावद विधानसभा के लोगों का मानना है कि, निर्मला भूरिया का विधानसभा में किसी तरह का कोई जीवित संपर्क लोगों से नहीं है। अब दिलीपसिंह भूरिया के बाद वे अपने दम पर विधानसभा में संघर्षमयी लड़ाई लड़ेंगी। निर्मला पर महज कुछ लोगों से घिरे रहने के आरोप भी काफी पुराने है, और इस स्थिति में अब भी कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है।

पेटलावद विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अभी कोई घोषणा नहीं हुई है। लेकिन यह माना जा रहा है कि, वालसिंह मैड़ा जो की वर्तमान में कांग्रेसी विधायक के रूप में विधायकी कर रहे है, को ही पार्टी मौका देगी। मगर पार्टी ने इस पर अब तक किसी तरह की कोई सूची या नाम घोषित नहीं किया है। पेटलावद विधानसभा में यह बताया जाता है कि, कांग्रेस में एक से अधिक दावेदार है और पार्टी से टिकट ना मिलने की स्थिति में बगावत भी कर सकते है। इसके अलावा पेटलावद विधानसभा पर जयस भी चुनाव में हाथ आजमा रहा है। इसलिए यहां त्रिकोणी मुकाबला देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर रोचक मुकाबले देखने को मिल सकते है, लेकिन अभी यह समय के गर्त में है कि, विधानसभा चुनावों को लेकर जिले की राजनीति में उबलती खिचड़ी किसकी ढूलती है।

बिहार की जाति जनगणना सार्वजनिक होने के बाद मचा बवाल

सनत कुमार जैन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 अक्टूबर को जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। जाति जनगणना में बिहार की 63 फ़ीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है। इसमें 36 फ़ीसदी अति पिछडी और 27 फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा आबादी 17.7 फीसदी यादव समाज की है। अनुसूचित जातियों की आबादी 19.65 फ़ीसदी है। स्वर्ण जाति की आबादी 15.52 फ़ीसदी है। इसमें स्वर्ण हिंदुओं की आबादी मात्र 10 फ़ीसदी है। बिहार सरकार द्वारा जैसे ही जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए गए। उसके बाद से देश भर में इसके पक्ष और विपक्ष में तरह-तरह की बातें सामने आने लगी। जाति जनगणना के आंकड़े सामने आने के तुरंत बाद आबादी के अनुपात के अनुसार आरक्षण बढ़ाने की मांग शुरू हो गई। लालू प्रसाद यादव ने भी सोशल मीडिया पर लिखा,कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए। जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी हिस्सेदारी हो। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने विशेष कर बिहार के नेताओं ने कहा कि जाति जनगणना के लिए उन्होंने भी अपनी सहमति दी थी। लेकिन जनसंख्या के आधार पर आरक्षण को लेकर, बिहार के भाजपा नेताओं की राय अलग-अलग थी। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की राय भी बिहार के भाजपा नेताओं की राय से अलग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस कह रही है की आबादी तय करेगी, पहला हक किसका होगा। कांग्रेस को ढाल बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कह दिया। कांग्रेस अल्प संख्यकों का कोटा खत्म करना चाहती है। अगर आबादी के हिसाब से आरक्षण होगा, तो अल्पसंख्यकों को भारी नुकसान होगा। हिंदू आबादी भारत में सबसे ज्यादा है, तो सारे लाभ क्या हिंदुओं को मिलेंगे। यह कहकर उन्होंने मुस्लिम और इसी जातियों को छोड़कर शेष सभी जातियों को हिंदू बताकर एक तरह से आरक्षण को लेकर अपनी राय स्पष्ट कर दी है। जाति जनगणना की जनसंख्या के आधार पर आरक्षण देने के पक्ष में भाजपा नहीं है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर हिंदुत्व का जो ध्रुवीकरण हुआ है वह भाजपा के पक्ष में है। उसे इंडिया गठबंधन के सभी दल मिलकर खंड-खंड करना चाहते हैं। जिसके कारण भाजपा बचाव की मुद्रा में है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नवंबर माह में होने वाले हैं। लोकसभा के चुनाव भी 6 माह बाद होने हैं। ऐसी स्थिति में जातीय जनसंख्या के आंकड़े का जो पिटारा बिहार से खुला है। वह आगामी चुनावों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। इसे मंडल और कमंडल के बीच की जंग भी माना जा रहा है। जाति आधारित राजनीति मंडल कमीशन के बाद 1990 के दशक में शुरू हुई थी। 1990 में ही कमंडल की राजनीति राम मंदिर के नाम पर शुरू हुई थी। राम मंदिर का मुद्दा धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ था। राम मंदिर को लेकर हिंदुत्व का ध्रुवीकरण कर चुनावी लाभ, भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कई चुनाव में उठा लिया है। जाति जनगणना बिहार में हुई है। उसके बाद सभी गैर भाजपाई दलों में जनसंख्या के आधार पर हिंदुओं को विभक्त करने की नई प्रतिक्रिया शुरू हुई है। अभी तक मुस्लिम और ईसाइयों को धार्मिक आधार पर हिंदू नहीं माना जाता था। जैन, बौद्ध, सिख सभी को हिंदू आबादी का अंग मानलिया गया था। धार्मिक आधार पर ही इनका धुर्वीकरण होता था। भारत में मर्यादा पुरुषोत्तम राजा राम सामाजिक व्यवस्था में सभी वर्गों के लिए स्वीकार्य थे। राम मंदिर आंदोलन में सभी जाति वर्ग के लोगों की आस्था रामराज पर थी। जातीय जनगणना के आधार पर अब हिंदुओं को विभक्त करने की गैर भाजपाई दलों की सुनियोजित रणनीति है। सनातन और हिंदुओं के नाम पर एक नया जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण किए जाने के प्रयास, पक्ष और विपक्ष में शुरू हो गए हैं। आने वाले चुनाव में निश्चित रूप से इसका असर चुनाव परिणाम में देखने को मिलेगा। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर हमला बोला है। उससे स्पष्ट है, कि आगामी चुनाव में जाति जनगणना का यह मामला भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के बीच वोटो के बंटवारे के रूप में नया धुर्वीकरण होने जा रहा है। आरक्षण को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच में एक नई जंग छिड़ चुकी है। इसके परिणाम किस तरह के होंगे। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगना शुरू हो गई हैं।

बादल फटने से आई बाढ़ में लापता हुए सेना के 23 जवान

गंगटोक।

सिक्किम के ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से तीस्ता नदी में भीषण बाढ़ आ गई। इस बाढ़ में सेना के 23 जवान लापता हो गए हैं। हालांकि, केंद्रीय जल आयोग ने बताया कि, तीस्ता नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, तीस्ता नदी का जलस्तर बुधवार दोपहर एक बजे तक खतरे के निशान से नीचे था। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर रात बादल फटने से तीस्ता नदी में भीषण बाढ़ आ गई।

पीएम मोदी ने सीएम तमांग से की बात

पीएम मोदी ने सिक्किम में आई भीषण बाढ़ को लेकर सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से बात की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि, सिक्किम के हालातों को लेकर राज्य के सीएम से बात की और उनसे दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक आपदा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि, सिक्किम में किसी भी चुनौती से निपटने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया है। मैं प्रभावित लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं।

पश्चिम बंगाल सरकार करेगी मदद- ममता बेनर्जी

सीएम ममता बेनर्जी ने उत्तर बंगाल से ऐसी प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम के लिए मौजूदा मौसम में अधिक सतर्कता बनाए रखने का भी आग्रह किया। बेनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सिक्किम में बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ के बाद 23 सैनिकों के लापता होने की खबर पाकर बहुत चिंतित हूं। इस मामले पर हमारी सरकार की ओर से एकजुटता व्यक्त करते हुए और सहायता देने का वादा करते हुए, मैं उत्तर बंगाल के सभी लोगों से भी आग्रह करती हूं कि आपदा को रोकने के लिए मौजूदा सीजन में अधिक सतर्कता बनाए रखें।

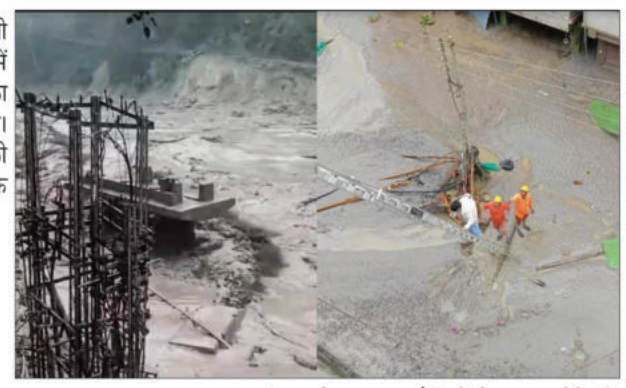

भाजपा का आरोप, केजरीवाल के आवास पर हुआ करोड़ों का एक्साइज पॉलिसी घोटाला

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी (आल) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवास पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। इसको लेकर अब भाजपा नेता दुष्यंत गौतम ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आवास पर करोड़ों का एक्साइज पॉलिसी घोटाला हुआ है। ईडी की कार्रवाई दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर चल रही है। ईडी ने दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू में संजय सिंह के सरकारी आवास पर रेड की है। इस दौरान संजय सिंह के आवास के बाहर सीआरपीएफ की तैनाती देखने को मिली।

आप का मोदी सरकार पर हमला

ईडी की कार्रवाई पर अब आप पार्टी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि, आबकारी नीति एक काल्पनिक घोटाला है। वहीं, दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसे मोदी सरकार की बौखलाहट बताया है। उन्होंने कहा कि ईडी ने पिछले 15 महीनों में एक हजार से अधिक जगहों पर छापेमारी की, लेकिन उनके हाथ कुछ भी नहीं आया।

नगरपालिका के सफाई कर्मी आज एक बार फिर से उतर गए अनिश्चित कालीन हड़ताल पर

समय पर वेतन नहीं मिलने और मांगे पूरी नहीं होने के चलते तीन माह में दूसरी बार उतरे हड़ताल पर

माही की गूंज, झाबुआ।

नवीन नगरपालिका परिषद् को कार्यभार संभाले लगभग एक वर्ष पूर्ण हो चुका है। इस एक वर्ष में नगरपालिका कोई खास काम नहीं कर पाई है। पिछले एक साल में जब भी नगरपालिका में बैठी नई परिषद् पर सवाल उठते है तो एक ही जवाब सामने आता है कि फंड की कमी है। भोपाल से मदद मांगी जा रही है। लेकिन देखते ही देखते एक वर्ष पूर्ण हो गया ना भोपाल से मदद अब तक पहुंच पाई और ना ही नगरपालिका का बिगड़ा हुआ ढर्रा सुधर पाया। पिछले एक साल में नई नगरपालिका परिषद ने सिर्फ सफाई और जल आपुर्ति में ही निकाल दिया है। यह बात और है कि नगरपालिका में बैठे जिम्मेदारों को अपने खुद के लिए कभी फंड की कमी नहीं आई। मगर नगरपालिका के पास सफाई कर्मियों को देने के लिए वेतन तक का पैसा नहीं है।

एक बार फिर शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। कारण यह है कि नगरपालिका के तमाम सफाई कर्मी एक बार फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतर गए है। पिछले तीन माह में यह दूसरा मौका है जब सफाई कर्मी अपने वेतन की मुख्य मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरे है। इससे पहले भी सफाई कर्मियों ने वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर काम बंद हड़ताल की थी। मगर उस समय तीन दिन बाद नगरपालिका अध्यक्ष व सीएमओ के आश्वासन के बाद वे फिर से काम पर लौट आए थे। बुधवार से शुरू सफाई कर्मियों की यह हड़ताल अब कितने दिन चलेगी यह नहीं कहा जा सकता। क्योंकि पिछली बार जिस आश्वासन पर सफाईकर्मी वापस लौटे थे वह आश्वासन अब भी धरे के धरे ही पड़े है। न सफाई कर्मियों को समय पर वेतन मिल पा रहा है और ना ही उनकी दूसरी मांगों की तरफ कोई ध्यान दिया जा रहा है। अपनी दस सुत्रीय मांगों को लेकर एक बार फिर नगरपालिका के सफाई कर्मियों को अनिश्चित कालीन हड़ताल का रूख करना पड़ा है।

नगरपालिका के सफाई कर्मियों की हो रही बार-बार हड़ताल से शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने वाली है। नगरपालिका के पास इसका कोई विकल्प भी नहीं है। इसलिए सजग हो जाएई और अपने घर के कचरे को समेट कर रखिए या उसका उचित निदान खुद किजिए क्योंकि सफाई कर्मियों की हड़ताल के बाद नगरपालिका इस स्थिति में नहीं है कि वह आपके घर कचरा भी उठा सके। सो नगर की जनता अपना काम खुद करे और सफाई के नाम पर टेक्स नगरपालिका को चुकाती रहे। ताकि नगरपालिका की दीन-हीन दशा में थोड़ा सुधार आ सके। सफाई कर्मियों की इस वाजिब हड़ताल को शहरवासियों का भी समर्थन है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर भी टीका-टीप्पणी चल रही है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष ने सोशल मीडिया के फेसबुक प्लेट फार्म पर एक पोस्ट करते कहा कि, ''झाबुआ शहर के आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ की नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल हुई हो''। मगर अभी वर्तमान में भाजपा की सरकार और भाजपा की नगर पालिका परिषद है। फिर भी 3 माह में दूसरी बार वेतन नहीं देने को लेकर तथा कई महत्व पूर्ण मांगों को लेकर हड़ताल पर कर्मचारी बैठ गए है। यह काफी चिंता जनक विषय है। यही कर्मचारियों के दम पर जैसे सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, जल व्यवस्था एवं अन्य सभी काम हम सभी राजनीतिक दल के नेता करवाकर अपनी राजनीती की रोटियां सेकते है। तो फिर इन कर्मचारियों को वेतन नहीं देने से इनके घर के चुले कैसे जलेंगे, इनके बच्चों की पढ़ाई की फीस तथा जीवन का गुजर-बसर कैसे हो पाएगा। इस पर किसी का ध्यान नहीं जाता। बड़ा दुर्भाग्य है भाईयो, मेरा माननीय सीएमओ खान साहब तथा नगरपालिका अध्यक्ष कविता जी सिंगार से आग्रह है कि कर्मचारियों की गंभीर समस्या को संज्ञान में लेकर समय पर वेतन देने और उनकी जायज मांगों को स्वीकृत करने की कृपा करें। जिससे झाबुआ नगर की जनता एवं नगर पालिका परिषद की बदनामी न हो।

सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

शासकीय सर्वे नम्बर 106 और 107 को लेकर लम्बे समय से चल रही थी शिकायत

शासकीय रिकॉर्ड में हेराफेरी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और भू-माफियाओं पर कार्यवाही कब...?

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

रतलाम रोड स्थित शासकीय सर्वे नम्बर 106 और 107 को शासकीय रिकॉर्ड में हेराफेरी कर निजी भूमि बताकर खरीद फरोख्त का बड़ा मामला सामने आया था। उक्त मामले की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता श्रवण मालवीय द्वारा सरकारी भूमि पर हेराफेरी कर खरीद फरोख्त की शिकायत की थी। जांच के दौरान नपती और पुराने रेकॉर्ड से साफ हो गया कि, जमीन में रेकॉर्ड में हेराफेरी करके सरकारी भूमि कब्जा की जा रही है। जाँच के बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद ने उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश जारी किया। सबसे बड़ी बात शिकायत ओर जांच के दौरान भूमि पर अतिक्रमण जमीन की बिक्री जारी रही और उस प्लाट बेचने के साथ-साथ निर्माण कार्य भी कर दिया गया।

तहसीलदार के नेतृत्व में पहुचा राजस्व अमला, जेसीबी से किया धराशाई

पेटलावद के तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल के नेतृत्व में बुधवार को राजस्व अमला जेसीबी और पुलिस प्रशासन के साथ पहुँचा। जेसीबी से उक्त सर्वे नम्बर पर बनी दुकानों को गिराया गया साथ ही काटे गए प्लाटो पर की गई तारफेनिंसग को हटाया गया। इस दौरान प्रशासन ने दुकान में रखी सामग्री हटाने का समय दिया और सामान निकालने के बाद दुकानों को तोड़ा गया। हालांकि शासकीय सर्वे नम्बर 106 ओर 107 दोनों ही काफी बड़े है जिस पर पहले से अतिक्रमण किया गया हैं कई नया निर्माण भी किया जा रहा है लेकिन प्रशासन ने फिलहाल दायरा निश्चित कर कार्यवाही की है। पूरे सर्वे नम्बर की सही जांच हो तो बड़े स्तर की हेराफेरी सामने आ सकती है, जिंसमे राजस्व के पूर्व के कई अधिकारी और पटवारी जेल की हवा खा सकते हैं।

न्यायालय में मामले को उलझाने का प्रयास

तहसील न्यायालय से निर्णय होने के बाद उक्त मामले को हाईकोर्ट और जिला कलेक्टर कार्यालय में उलझाये रखने का प्रयास किया गया। जिससे किसी न किसी तरह मामले को दबाया जा सके। जिला कलेक्टर को न्यायालय द्वारा जारी जांच के आदेश के बाद कलेक्टर ने तहसील न्यायालय के निर्णय को सही ठहराते हुए अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए थे। प्रशासन की और से पेटलावद विकास खण्ड में अतिक्रमण को लेकर की बड़ी कार्यवाही है जिस अतिक्रमणकर्ताओं ओर भू-माफियाओ में हड़कम्प मच गया है।

भव्य आयोजन के साथ कलाल समाज मनाएगा सहस्त्रबाहु जयंती

मुख्य चार दिवसीय आयोजन मेवाड़ कलाल समाज (मिंडल) झाबुआ की वाटिका में होंगे आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलाल समाज के आराध्य देव सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती इस वर्ष झाबुआ-अलीराजपुर परिक्षेत्र के मेवाड़ा कलाल समाज बड़ी ही धूमधाम से मनाने के लिए व्यवस्थाओं में समिति जुट गई है।

सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती शुक्ल पक्ष सप्तमी के दिन (चंद्रयान के बढ़ते चरण के सातवें दिन) मनाई जाती है। जो इस वर्ष 19 नवंबर को भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती मनाई जाएगी। भगवान की जयंती महोत्सव को भव्य रूप से मनाने के लिए झाबुआ- अलीराजपुर परिक्षेत्र की मेवाड़ा कलाल समाज की कमेटी ने आह्वान किया है। कमेटी के आव्हान पर राजस्थान के कुशलगढ़ व बांसवाड़ा परिक्षेत्र के साथ गुजरात के पंचमहल जिले के समाजजनों ने सामूहिक एवं बहुउद्देशीय समाजहित की सोच के साथ कलाल समाज के आराध्य देव सहस्त्रबाहु अर्जुन का जन्मोत्सव सामूहिक रूप से मिलकर भव्य रूप से आयोजन को आयोजित कर बनाने का निर्णय लिया है। जिसकी तैयारीया भी शुरू कर दी गई है।

झाबुआ-अलीराजपुर परिक्षेत्र के अध्यक्ष डाडमचंद लोदावरा व ट्रस्ट सचिव जीवनलाल पडियार ने उक्त भव्य आयोजन के संबंध में बताया कि, समाज की एकता को प्रभुत्व बनाने एवं समाज में एक नई क्रांति के उद्देश्य के साथ इस वर्ष भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जन्मोत्सव को भव्यता के साथ समाज की मिण्डल (झाबुआ) स्थित नवनिर्मित वाटिका में विभिन्न आयोजनों के साथ मनाने का निर्णय लिया है। उक्त आयोजन को भव्य रूप देने के लिए जिले से सटे राजस्थान व गुजरात के समाजजनों की बराबर भागीदारी के साथ तन-मन के साथ एक रूप होकर 16 नवंबर से 19 नवंबर तक नवकुंडिय सतचंडी यज्ञ के आयोजन के साथ समाज के बहुउद्देश्य डायरेक्टरी का विमोचन समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं समाज के लिए अग्रणी कार्य करने वाले युवा एवं वरिष्ठजनों का सम्मान के साथ विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

उक्त आयोजन में मध्यप्रदेश के स्थानीय झाबुआ-अलीराजपुर कलाल समाज के साथ रतलाम, मंदसौर, धार, इंदौर, उज्जैन, खरगोन, बड़वानी आदि जिलों के साथ राजस्थान व गुजरात के समाजजनों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही उक्त आयोजन को सफल बनाने आमंत्रण समिति के साथ, यज्ञ समिति, भोजनशाला समिति, प्रचार-प्रसार समिति, आदि विभिन्न समितियां पंचमहल जिला कुशलगढ़, बांसवाड़ा क्षेत्र के साथ स्थानीय समाजजनों की विभिन्न समितियां बनाई गई है। अध्यक्ष एवं ट्रस्ट सचिव ने समाजजनों से आयोजन को सफल बनाने की अपील करने के साथ कहा कि, समाज का हर सदस्य अपनी सहभागिता तन-मन व धन से कर सकता है। ऐसा नहीं की औपचारिक रूप से व्यवस्था हेतु बनाई गई समिति को ही सर्वोपरि मानकर अपनी सहभागिता से कोई भी समाजजन दूरी नहीं बनाए, बल्कि समाज के प्रत्येक सदस्य द्वारा अपनी सहभागिता देने की अपील की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई मास्टर ट्रेनर की बैठक आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री तन्वी हुड्डा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर द्वारा कहा गया कि, निर्वाचन सम्बंधित प्रशिक्षण में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को ईवीएम संचालित करते आना चाहिए तथा निर्वाचन सम्बंधित सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ प्रयोगात्मक ज्ञान भी आवश्यक है। प्रशिक्षण के बिन्दुओ की समयसारणी निर्धारित कर उसके अनुसार प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया एवं एक कक्ष में अधिकतम 50 प्रशिक्षणार्थी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। इसके साथ ही निर्वाचन सम्बंधित नोडल अधिकारियो, एफएसटी एवं एसएसटी, वीडियोग्राफी, वीवीटी, कंट्रोल रूम आदि दलो को उनसे सम्बंधित प्रत्येक कार्य का प्रशिक्षण दिया जाए।

बैठक में नोडल अधिकारी प्रशिक्षण एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर, सहयोगी अधिकारी एवं सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग श्रीमती निशा मेहरा के साथ सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षको की भर्ती में गड़बड़ी करने वाले प्राचार्यों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती...?

प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जन सुनवाई में पहुंची शिकायतकर्ता

माही की गूंज, पेटलावद।

बड़े स्कूलों में बैठे कुछ प्राचार्यों ने पद का दुरुपयोग कर सारे नियमों को ताक में रखकर अतिथि शिक्षकों की भर्ती में फर्जीवाड़ा किया गया। कहीं ऊंची पहुंच वाले, तो कहीं गुलाबी गड्डी वाले, तो कहीं नाते-रिश्तेदारों की नियुक्ति कर वारे न्यारे कर लिए। मामला चाहे एकलव्य विद्यालय का हो जहां पूर्व प्रभारी प्राचार्य ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के नंबर देकर योग्य उम्मीद्वार को बाहर किया। मामला माडल स्कूल पेटलावद का हो तो वहां भी पूर्व प्रभारी ने अपने प्रभाव में लेकर रिश्तेदारों की अतिथि पद पर नियुक्ति देकर फौज इकट्ठी कर ली। सीएम राइज विद्यालय का हो तो वहां तो साहब अपने चहेतों को अतिथि नियुक्ति में बिना दस्तावेजो जांच के ही अपात्र को नियुक्ति देने का। मामला गूंज द्वारा उजागर करने के बाद जांच के आदेश भी हुए है लेकिन अब तक न जांच पूरी हुई न ही अपात्र को

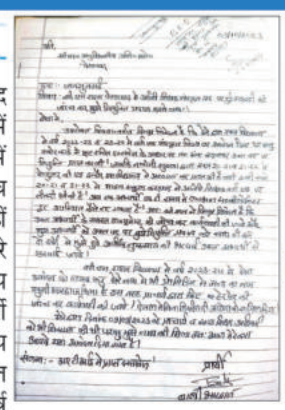

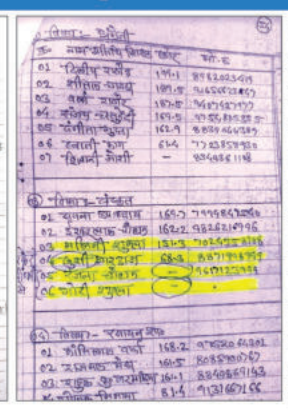

हटाया गया।

डिग्री नहीं होने के बाद भी पेनल में शामिल किए गए शिक्षक

सेटिंग से हो रही भर्ती में अथिति के लिए आये आवेदन में जिन आवेदको के पास पद के हिसाब से योग्यता नही होने के बाद भी पैनल में शामिल किया गया। बिना डिग्रीधारीयो को पैनल में शामिल कर लिया। वहीं तिकड़म बाज़ प्राचार्य द्वारा जानबूझकर एक अभ्यर्थी का आवदेन ही गायब कर दिया। ये खुलासा तब हुआ जब सूचना के अधिकार में जानकारी निकाली गई। सीएम राइज मे अभ्यर्थी बाली भारद्वाज द्वारा इस गड़बड़ी जिसमे उनकी जगह गलत तरीके से नियुक्ति ली गई। आवेदक बाली भारद्वाज ने जन सुनवाई में अभ्यर्थी के दस्तावेज जांच कर न्याय देने का आवदेन दिया गया। नियुक्ति से वंचित अभ्यर्थी ने उक्त शिकायत खण्ड शिक्षा अधिकारी को भी की थी परन्तु न्याय नहीं मिलने पर मंगलवार को जनसुनवाई में आवदेन देकर न्याय दिलाने की अपील की। साथ ही प्राचार्य द्वारा अभ्यर्थी का नाम पैनल सूची से जानबूझकर नाम मे हेराफेरी करने व अपात्रों व बिना डिग्री धारी को पैनल में शामिल करने की जांच के साथ प्राचार्य पर भी कार्रवाई की मांग की हैं।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना संचालित

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंन्द्र, झाबुआ द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना संचालित की जा रही हैं। अतः वित्तिय वर्ष 2023-24 में जिले के लक्ष्य 300 के विरूद्ध बेरोजगार युवक, युवतिया जो 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण हो, आयु 18 से 45 तक जो जिले के मूल निवासी हो एवं परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो अपना प्रथमतः उद्यम स्थापित करने हेतु उद्योग क्षेत्र में 1 लाख से 50 लाख तक एवं सेवा, व्यवसाय क्षेत्र में 1 लाख से 25 लाख तक के ऋण हेतु एमपी ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत कर जिले की विभिन्न बैंक एवं वित्तिय संस्थाओं से ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

बाबड़ी-बरवेट में चोरो का आतंक, पुलिस को खुली चुनौती

वारदात के सात दिन बाद भी पुलिस को नहीं मिला चोरों का कोई सुराग

माही की गूंज, बरवेट।

बीते हप्ते रायपुरिया और पेटलावद थाने क्षेत्र के ग्राम बरवेट और बावड़ी में चोरी ने आतंक मचाते हुए तीन दिन के भीतर दर्जनों घर और दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखो की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस क्षेत्र में चोरों ने पहले कभी ऐसी सामुहिक वारदात को अंजाम नही दिया। एक साथ हुई कई जगहों पर चोरी की वारदात के बाद पुलिस विभाग सकते में आ गया। बरवेट में हुई चोरी की वारदात के बाद पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी मौके पर पहुँच गए लेकिन बेखौफ़ चोरों ने पुलिस को चुनौती देते हुए उसी प्रकार दूसरी वारदात को दो दिन बाद ही बरवेट के समीप पेटलावद थाना क्षेत्र के ग्राम बावड़ी में ऐसी ही वारदात को अंजाम दे दिया। चोरी की वारदात के बाद पुलिस ने चोरों को जल्द पकड़ने का दावा किया लेकिन सात दिन बाद भी पुलिस के हाथ कोई खास सफलता नही लगी।

पहली वारदात

शुक्रवार देर रात को अज्ञात बदमाशो ने बरवेट के श्रीराम मंदिर सहित कई घरों और दुकानों को निशाना बनाया। सुबह जब मंदिर के पुजारी जगदीश बैरागी पूजा करने पहुचे तो पता चला की चोरों ने अपना हाथ साफ कर लिया। जिसके बाद एक के बाद एक मकान और दुकान के ताले टूटने की जानकारी सामने आई। चोरों ने बरवेट बस स्टैंड स्थिति पूर्व शिक्षक जगन्नाथ पटेल, शिवनारायण पाटीदार की कपड़े की दुकान, सारंगी चौराहे पर भूरिया काम्प्लेक्स में तीन दुकानों पर ताला तोड़ कर चोरी की। वही माही रेस्टोरेन्ट के मालिक राजेश पाटीदार की दुकान, डिकेश टेलर की दुकान, मोहन डाबी सजेलिया वाले की रेस्टोरेन्ट, सारंगी रोड पर बबलू भूरिया का घर, जामली रोड पर छोटू रामपुरिया की दुकान, महावीर पाटीदार के घर की दीवार में सेंघ मार कर चोरी का असफल प्रयास किया। वारदात की जानकारी के बाद पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी दल-बल के साथ मौका निरीक्षण करने के लिए पहुँचे। झाबुआ से एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे, पेटलावद एसडीओपी सौरभ तोमर, पेटलावद टीआई राजूसिंह बघेल, रायपुरिया टीआई बरवेट पहुचे। जिन दुकानों और घरों पर जहा चोरी की वारदात हुई वहाँ पहुचकर जानकारी ली। उसके बाद श्रीराम मंदिर पहुचे ओर मौका मुआयना किया। एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे ने जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा किया है।

दूसरा मामला

रायपुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बरवेट में शुक्रवार रात्रि में हुई एक दर्जन से अधिक घर-दुकानों पर हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने वालो तक पुलिस पहुँच भी नही पाई थी कि, चोरो ने पेटलावद थाना क्षेत्र के ग्राम बाबड़ी में चोरों ने एक बार फिर बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस विभाग को खुली चुनौती दे डाली। ग्राम बाबड़ी-बरवेट से लगा हुआ है, यहां पुलिस गश्त के तमाम दावों को बेकार बताकर चोरी की वारदातों को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे हैं। चोरों ने रविवार रात्रि गांव बावड़ी में एक साथ 11 अलग-अलग जगह पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। चोरों ने बावड़ी में ग्याहर जगह ताले तोड़कर चोरी की ओर पुलिस को खुली चुनोती दी है। चोर गाँव मे एक घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए, सीसीटीवी फुटेज में तीन अज्ञात बदमाश कैद जरूर हुए लेकिन कैमरे से दूरी अधिक ओर रात के अंधेरे के कारण उनकी पहचान नही हो पाई। पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए सर्चिंग कर रही है लेकिन कोई बड़ी सफलता पुलिस के हाथ नही लगी है। विकास खंण्ड के कई बड़े गाँव ऐसे हैं जहां पुलिस की कोई व्यवस्था नही है और चोर ऐसे ही गाँवो को लगातार निशाना बना रहे हैं। एक साथ कई जगह हुई चोरी की वारदात से ग्रामीण क्षेत्र में दहशत का माहौल है और अपने घर और दुकान को सुना छोड़ने में डर रहे हैं।

चोरी के बाद ग्रामीणों से चर्चा करती पुलिस।

बरवेट पहुचे एडिशनल एसपी कुर्वे।

चोरी हुए सामान का आंकलन करते हुए पुलिस।

संपादकीय

कलम की धार पर वार

हाल के कुछ वर्षों में तेवरों की पत्रकारिता करने वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया पर जारी सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई की श्रृंखला में इस बार ऑनलाइन समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक पर गाज गिरी है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पोर्टल व उससे जुड़े पत्रकारों के तीस परिसरों पर मंगलवार को कार्रवाई की। इसमें कुछ वरिष्ठ पत्रकारों को विशेष प्रकोष्ठ ऑफिस ले जाया गया और घंटों पूछताछ हुई। आरोप है कि, चीन के हितों की पूर्ति के लिए पोर्टल को विदेशी फंडिंग हुई है। एजेंसी की कार्रवाई के खिलाफ विभिन्न पत्रकार संगठनों तथा विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त हुई। आरोप है कि, विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार अपनी आलोचना बर्दाश्त न करके मुखर मीडिया संस्थानों को सरकारी एजेंसियों के जरिए निशाने पर ले रही है। मीडिया से जुड़े लोग इस कार्रवाई को नए आपातकाल की दस्तक बता रहे हैं। बताते हैं कि, मंगलवार की सुबह समाचार बेवसाइट न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ, वीडियो पत्रकार अभिसार शर्मा, पत्रकार भाषा सिंह, वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश, लेखक गीता हरिहरन, औनिंद्यो चक्रवर्ती, इतिहासकार सोहेल हाशमी व व्यंग्यकार संजय राजौरा के यहां विशेष प्रकोष्ठ ने छापेमारी की है। इन लोगों के मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए। इसके अलावा बहुचर्चित सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता के घर भी कार्रवाई हुई है। हालांकि, शाम तक कई वरिष्ठ पत्रकारों को पूछताछ के बाद जाने दिया गया। लेकिन मीडिया संगठनों में पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की कार्रवाई के खिलाफ रोष बना रहा। दिल्ली पुलिस का कहना है कि, यह छापेमारी अगस्त में दर्ज एक मामले में यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत की गई। दरअसल, अगस्त 2023 में न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में न्यूजक्लिक वेबसाइट पर आरोप लगाया गया था कि, चीन का प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए एक अमेरिकी करोड़पति ने उन्हें वित्तीय सहायता दी है। इसके बाद वेबसाइट के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इन आरोपों का न्यूजक्लिक ने खंडन किया था।

यह बात स्वाभाविक है कि, जब देश विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक की रैंकिंग में पहले से ही निचले पायदान पर है तो पुलिस की इस कार्रवाई का कोई अच्छा संदेश तो नहीं जाएगा। हालांकि, सरकारी दलीलें दी गई हैं कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं और वे नियमों का पालन करते हुए अपना काम कर रही हैं। लेकिन ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि यदि आपके पास गलत स्रोत से पैसा आया है तो जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया समेत दूसरे संगठनों ने इस कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बयान में कहा गया है कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व मीडियाकर्मियों के हितों के लिये प्रतिबद्ध है। विपक्षी दलों का आरोप है कि विभिन्न मुद्दों पर मुखर अभिव्यक्ति करने वाले अखबारों व मीडिया संस्थानों को सरकारी एजेंसियों के जरिये निशाना बनाया जा रहा है। सवाल मीडियाकर्मियों के घरों पर पुलिस की छापेमारी के तौर-तरीके व आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत केस दर्ज करने पर भी उठाये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में शुरू हुए न्यूजक्लिक न्यूज पोर्टल को सरकार की आलोचना करने के लिये जाना जाता रहा है। पोर्टल की फंडिंग की जांच 2021 में भी हुई थी और दिल्ली पुलिस की आपराधिक शाखा ने वेबसाइट के खिलाफ केस दर्ज किया था। बाद में ईडी ने भी इस मामले में केस दर्ज किया। वहीं विपक्षी दल इस कार्रवाई को केंद्र सरकार की हताशा बता रहे हैं। बहरहाल, सवाल उठाये जा रहे हैं कि किसी स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करने वाले मीडिया संस्थानों पर ऐसी सख्त कार्रवाई करने का क्या औचित्य है? क्या यह लोकतंत्र में अधिनायकवाद की दस्तक तो नहीं है? मीडिया संस्थानों के खिलाफ गाहे-बगाहे कार्रवाई के पैटर्न को लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। कुछ विपक्षी दल इस कार्रवाई को बिहार के जातिगत जनगणना सर्वेक्षण के परिणाम से ध्यान हटाने की कवायद बता रहे हैं। साथ ही इसे संविधान में मिली अभिव्यक्ति की आजादी का भी अतिक्रमण कह रहे हैं।

मानवीय संवेदनाओं के पत्थर होने की टीस

विश्वनाथ सचदेव

महाकाल की नगरी उज्जैन में वह लगभग निवस्त्र नाबालिग बेटी घंटों पनाह मांगती रही। पचासों मकानों के दरवाज़े खटखटाये थे उसने, पर हर जगह से दुत्कारी गयी वह। सुना है उसके साथ बलात्कार करने वाला आरोपी पकड़ा गया है। हो सकता है उसका अपराध प्रमाणित हो जाये, हो सकता है उसे कड़ी से कड़ी सज़ा भी मिल जाये। पर महाकाल की नगरी के नागरिकों के मुंह से वह कालिख कैसे मिटेगी जो एक असहाय बेटी को शरण न देने से लगी है। उस नाबालिग बेटी की हालत देखकर भी घंटों कोई दिल नहीं पसीजा, यह स्थिति अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है।

सुना है एक ऑटो वाले ने उसे अपना कमीज उतार कर अवश्य दे दिया था, पर यह बात उसे नहीं सूझी कि इतनी सहानुभूति पर्याप्त नहीं थी, ज़रूरत उस बच्ची को अस्पताल ले जाने की थी। अब वह ऑटो वाला इस बात पर खेद व्यक्त कर रहा है कि यह बात उसे क्यों नहीं सूझी। हां, एक व्यक्ति को सूझी थी यह बात। वह उसे अस्पताल भी ले गया। काश! पहले कोई यह काम कर देता तो उस अभागी बच्ची की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

आरोपी के पिता का यह कहना है कि यदि मेरे बेटे ने यह जघन्य अपराध किया है तो उसे कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। वह लड़की मेरी भी बेटी है! पर बलात्कार की शिकार हुई कन्याओं के बारे में कितने लोग इस तरह की सोच रखते हैं? आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2022 में देशभर में 31 हज़ार से अधिक बलात्कार के मामले पुलिस ने दर्ज किये थे। हर बीस मिनट में एक बलात्कार हो रहा है हमारे देश में! और यह संख्या तो उन मामलों की है जो पुलिस में दर्ज कराये गये हैं, उन मामलों की संख्या कौन बता सकता है जो पुलिस तक पहुंचे ही नहीं।

बहरहाल, महिलाओं के खिलाफ इस जघन्य अपराध के बारे में अक्सर चर्चा होती रहती है। पर सवाल तो यह है कि इस बारे में बात क्यों नहीं होती कि उज्जैन में हुए इस शर्मनाक कांड में उस बच्ची की पुकार पर सैकड़ों दरवाजे खुले क्यों नहीं? क्यों किसी का मन नहीं पसीजा? क्यों लोगों को यह नहीं लगा कि खून में लथपथ वह लगभग निर्वस्त्र बच्ची उनकी भी हो सकती है?

कुछ ही अर्सा पहले हमने मीडिया में मणिपुर की उन दो महिलाओं की शर्मनाक खबर देखी-सुनी थी, जिन्हें निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया था। निर्वस्त्र कहने से शायद बात की गंभीरता उतनी उजागर नहीं होती जितनी 'नंगा' कहने से होती है। सैकड़ों लोग थे मणिपुर की सड़कों पर निकाले गये मनुष्यता को शर्मसार करने वाले उसे जुलूस में। कहां चली गयी थी उनकी आंखों की शर्म? क्यों उस भीड़ में किसी को इस बात पर शर्म नहीं आयी कि महिलाओं के साथ यह व्यवहार समूची मानवीय संवेदनाओं के

पत्थर होते जाने की कहानी कह रहा है? मणिपुर की उस भीड़ में शामिल हर व्यक्ति वहशी नहीं हो सकता, तो फिर उस भीड़ में से किसी ने यह आवाज़ क्यों नहीं उठायी कि यह अत्याचार असह्य है?

सच तो यह है कि बलात्कार जैसा जघन्य अपराध करने वाला ही अपराधी नहीं है, अपराधी वह हर व्यक्ति है जो किसी भी रूप में ऐसे अपराध का हिस्सेदार है। मणिपुर की सड़क हो या उज्जैन के बंद दरवाज़े, सबकी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि हम एक संवेदनहीन समाज में बदलते जा रहे हैं। यह संवेदनहीनता मनुष्यता का नकार है, इस बात को समझना होगा।

आखिर क्यों उज्जैन में पनाह मांगती उस बेटी को घंटों सड़क पर बिलखना पड़ा? उसे देखकर क्यों कोई आंख नम नहीं हुई? क्यों मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ वहशियाना हरकत करने वालों को रोकने के लिए एक भी हाथ नहीं उठा? क्यों किसी को गुस्सा नहीं आया? क्यों किसी को शर्म नहीं आयी। क्यों किसी को यह नहीं लगा कि ऐसे में उसका भी कोई कर्तव्य बनता है? इन और ऐसे सारे सवालों के जवाब तलाशने की ज़रूरत है। ज़रूरत है यह समझने की कि जिंदा समाज ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता, नहीं रह सकता।

समाज व्यक्तियों के एक समूह का नाम है, जो कुछ मूल्यों के अनुसार एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। एक अलिखित समझौता होता है इन व्यक्तियों के बीच- हम सब मनुष्य हैं और इस नाते एक-दूसरे की खुशियों और गमों के हिस्सेदार हैं हम सब। संवेदनशीलता एक ऐसा मूल्य है जो हमें मनुष्य बने रहने के लायक बनाता है। इस संवेदनशीलता का तकाज़ा है कि हम एक-दूसरे की पीड़ा को पहचानें। उसे कम करने की कोशिश करें। मानव-समाज के रूप में हमारी एक सामूहिक पीड़ा यह होनी चाहिए कि दूसरे को कांटा चुभता है तो हमें दर्द क्यों नहीं होता?

इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने एक सवाल यह भी है कि प्रगति के नाम पर जो कुछ हो रहा है, उसमें कहीं एक बड़ी कमी यह है कि हमारी इस प्रगति-यात्रा में हमारे भीतर की मनुष्यता का रस कहीं सूखता जा रहा है। मनुष्यता के इस सूखते रस का अहसास किसी रूस या किसी यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध से ही नहीं होता, आदमी और आदमी के बीच बढ़ती दूरी भी यह अहसास कराती है।

'जिसके कंधे पर सूरज उगा/उसको कहते थे कल आदमी/नाम तो आज भी है वही/आदमीयत कहीं खो गयी।'

उज्जैन में उस बच्ची के साथ जो हुआ, या फिर मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ जो हैवानियत बरती गयी, कुल मिलाकर आदमीयत के कहीं खोने की ही पीड़ादायक कहानी है। इस खोती हुई आदमीयत को बचाना होगा। तब आदमी बचेगा।

अपने भीतर के आदमी को बचाने का यह संघर्ष हर व्यक्ति को पहले अपने भीतर ही शुरू करना होगा। मनुष्यता का तकाज़ा है कि यह लड़ाई लगातार चलती रहे और इस लड़ाई में मनुष्य हारे नहीं। एक लहूलुहान निर्वस्त्र बेटी को देखकर भी यदि हमारे भीतर की करुणा नहीं जागती तो इसका अर्थ है मनुष्यता कहीं हार रही है। इस हार को जीत में बदलना होगा।

एक लड़ाई बढ़ती संवेदनहीनता के खिलाफ चलनी चाहिए। बलात्कार के अपराध से तो शायद पुलिस निपट ले, पर संवेदनहीनता के खिलाफ कोई पुलिस या कोई कानून लड़ाई नहीं लड़ सकता। अपने भीतर के मनुष्य को ज़िंदा रखने की यह लड़ाई हम में से हर एक को लड़नी है और जीतनी है। संवेदनहीन समाज को मनुष्य-समाज नहीं कहा जा सकता।

भूकंप से जनमानस खौफजदा

नरेन्द्र भारती

भूकंप से जनमानस खौफजदा

दुनिया में भूकंप थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। 3 अक्टूबर 2023 मंगलवार को नेपाल से लेकर उत्तर भारत तक आये भूकंप से जनमानस खौफनाक है। गनीमत रही की कोई मानवीय तबाही नहीं हुई और जान माल का नुकसान नहीं हुआ। नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में मंगलवार को आधे घंटे के अंतराल में दो बार तेज भूकंप आया। भूकंप से नेपाल दहल गया यहां पर कई इमारते धराशाई हो गई 11लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र नेपाल था और भारत में सोनीपत व असम भूकंप के केंद्र थे। 25 अप्रैल 2015 को बहुत ही त्रासदी हुई थी जिसकी तीव्रता 7.8 थी तब 8 हजार लोगों की जान गई थी। राजधानी दिल्ली समेत पुरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किये गए। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी भूकंप का केंद्र धरती के पांच किलोमीटर नीचे था। वर्ष 2016में पूर्वोतर समेत देश के आठ राज्यों में भूकंप से आठ लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों का जख्मी होना बहुत ही दुखद घटना थी। इस भूकंप ने पूरे देश के हिला दिया था रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.7 थी। इस भूकंप का केन्द्र इंफाल से 33 किलोमीटर दूर था। भूकंप से राजधानी इंफाल में भारी नुक्सान हुआ था। नव वर्ष के आगमन 2016 में हुआ यह भूकंप काल बनकर आया था और लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। देश के अन्य राज्यों में भी काफी नुक्सान हुआ है। इस विनाशकारी भूकंप से जनमानस खौफजदा है कि कही फिर से भुकंप न आ जाए। असम के गुवाहाटी में व अन्य स्थानों पर 20 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भूकंप की वजह से बिहार के किशनगंज में एक और पशिचम बंगाल में आठ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए थे। सरकारें जितना पैसा मुआवजा राशि पर खर्च करती है उतना लोगों को भूकंप जैसी त्रासदियों से बचाव के लिए लोगों को कैपों के माध्यम से जागरुक किया जाना चाहिए। इससे पहले भी भारत में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है 26 जनवरी 2001 कों गुजरात में आए भूकंप ने भारतीय समाज को कभी नहीं भूल पायेगा जहां तबाही का मंजर बहुत ही दर्दनाक था। इसमें लगभग 20000 लोग मारे गए थे। 4 अप्रैल 1905 को हिमाचल के कांगड़ा में आए विनाशकारी भूकंप में 20000 हजार लोग मौत के आगोश में समा गए थे। भूकंप की विभिषिका में हजारों लोग अपंग होते है बच्चे अनाथ हो जाते है हजारों लाशे मलवे में दफन हो जाती है। भूकंप का दंश ताउम्र झेलते है। भारत में कभी भूकंप तो कभी सुनामी व बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता है। सरकार को चाहिए कि इमारतो का निर्माण करने वाले बिल्डरों को आदेश दे की भीड़:भाड़ वाले शहरों में भूकंप रोधी भवनों का निर्माण करना चाहिए। समय= पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद भूकंप रोधी निर्माण की जरुरत पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। कुछ लोग भूकंपरोधी भवन नहीं बनाते है दस-दस मजिले बनवाते है लेकिन एक दिन ऐसी आपदाओं के कारण इन्ही घरों में जमीदोज हो जाते है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। शहरों में बिना मानको के इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। अगर सही मानको के मुताबिक निर्माण किया जाए तो जान-माल की रक्षा हो सकती है और होने वाली तबाही को कम किया जा सकता है मगर हादसों आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदा पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए कि भूकंपरोधी मकानों का निर्माण ही तबाही से बचा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक शहरों में स्थित आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थानों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासे उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। देश में आज तक बडे-बड़े विनाशकारी भूकंपों के कारण लाखो लोग मारे जा चुके है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक भूकंप जैसी आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। वक्त अभी संभलने का है।

सऊदी अरब व रूस के मनमाने तेल दाम की बंधक दुनिया

विश्व के सबसे बड़े तेल निर्यातक, सऊदी अरब और रूस, कच्चे तेल की कीमत को ऊंचा कर लगभग एक साल पहले वाला दाम करने में सफल हो गए हैं। स्पष्टतः यह काम उन्होंने मार्च महीने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कम होती कीमत से चिंतित होकर किया है और इसके लिए दोनों ने एकजुट होकर उत्पादन को इतना घटाया कि दाम 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे न जाने पाए। अनेकानेक वैश्विक निवेशक बैंकों ने भी पूर्व-भविष्यवाणी की है कि 2024 में भाव 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएगा, यह परिदृश्य चिंतित करने वाला है, कम-से-कम भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए।

रोचक यह है कि दोनों मुल्कों के भारत के साथ निकट संबंध हैं। सऊदी अरब के मामले में, पिछले कुछ सालों में रिश्ते उत्तरोतर प्रगाढ़ हुए हैं और युवराज मोहम्मद बिन सलमान की हालिया भारत यात्रा में आठ संयुक्त समझौतों पर आखिरी निर्णय हुआ है। इनमें अधिकांश सऊदी अरब द्वारा 100 बिलियन डॉलर की निवेश पेशकश से संबंधित हैं। इसमें एक है भारत के पश्चिमी तट पर सऊदिया कच्चा तेल परिशोधन संयंत्र स्थापना।

जहां तक रूस की बात है, दशकों से चली आ रही सामरिक साझेदारी यूक्रेन युद्ध के बाद गहरे आर्थिक संबंध में तब्दील हो चुकी है। पिछले एक साल में, जहां तेल कीमतें ऊपर गई हैं वहीं भारत को रूस से तेल बाजार भाव की बजाय रियायती दरों पर मिलता रहा।

भारत से इतने मधुर रिश्तों के बावजूद, दो अग्रणी तेल निर्यातकों ने मिलकर तय किया है वैश्विक बाजार में तेल-भाव ऊंचा बना रहे,यह स्थिति अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करने वाले भारत जैसे देश के लिए बहुत मुश्किलें पैदा करेगी। यह करते वक्त उन्हें भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थों की परवाह कम ही है। तेल कीमत ऊंची बने रहने से आयात की लागत में इजाफा होने से राजकोष पर काफी बोझ पड़ेगा, जोकि वर्ष 2023-24 में 158 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। गोल्डमैन सैस और सिटीबैंक एवं अनेकानेक निवेशक एजेंसियों का अनुमान है कि अगले साल भाव और उठने का असर भी उतना ज्यादा रहेगा।

आर्गेनाइज़ेशन ऑफ ऑयल एंड पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीस (ओपेक), तेल उत्पादक देशों का संघ है और रूस के आन जुड़ने से अब ओपेक.के नाम से जाना जाता है। पहले इसने अप्रैल माह में घोषणा की थी कि उत्पादन में 11.5 लाख बैरल प्रति दिन की कटौती करेंगे। लेकिन उस वक्त तेल-बाजार की चाल में विशेष बदलाव नहीं आया। कच्चे तेल की कीमत 75 से 80 डॉलर प्रति बैरल बनी रही। जुलाई माह में सऊदी अरब और रूस ने अपने तौर पर 13 लाख बैरल प्रति दिन की कटौती जारी रखी। अब इससे फर्क पड़ा और भाव ऊपर उठने लगे। साल के अंत तक ऐसी कटौती जारी रखने के निर्णय ने हाल ही में दामों में तीखी वृद्धि बनाई है। तेल दाम तय करने में गुणवत्ता का मानक ब्रेंट क्रूड ऑयल फिलहाल 92 डॉलर प्रति बैरल है वहीं अमेरिका के वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल की कीमत लगभग 89 डॉलर प्रति बैरल है।

दुनिया ऊंची तेल कीमतों से जूझ रही है और इससे पुनः मुद्रास्फीति जनित दबाव बनने की आशंका है, ओपेक.के अगुवा सऊदी अरब का इस बारे में कहना है कि उसे अपना बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए धन चाहिए। उसे मालूम है कि जीवाश्म ईंधन की मांग भविष्य में काफी घटेगी और वह इसके नतीजों के मद्देनज़र दीर्घकालीन तैयारी करने में लगा है। इस कार्यक्रम को 'विजन-2030' का नाम दिया गया है, इसके तहत सल्तनत के आर्थिक ढर्रे में आमूल-चूल परिवर्तन, तेल की कमाई पर निर्भरता घटाना और विशालकाय बुनियादी ढांचा निर्माण कार्य के जरिये रोजगार पैदा करना है। यह दृष्टिपत्र स्पष्टतः अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमान से जुड़ा है कि 2030 के बाद जीवाश्म ईंधन की मांग में कमी आने लगेगी।

इस पश्चिमी एशियाई देश के ज़हन में अवश्य ही यह बात भी होगी कि कोविड महामारी के दौरान कच्चे तेल का दाम टूटकर 9 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था। हालांकि यह बहुत छोटी अवधि के लिए रहा, फिर भी इसने भारत को अपने सामरिक तेल भंडारण हेतु बड़ी मात्रा में तेल-फरोख्त का मौका दिया। लेकिन निश्चित रूप से यह काल तेल-निर्यातक मुल्कों के लिए घाटे का रहा, जो अब अपने उत्पाद की मांग घटने से पहले ज्यादा-से-ज्यादा आर्थिक स्रोत जुटाना चाहते हैं। रूस के मामले में, यूक्रेन युद्ध के लिए धन की जरूरत के चलते वैश्विक तेल कीमतें ऊंची रखना उसकी रणनीति का हिस्सा है। रूस खुद भी घरेलू मोर्चे पर अनेकानेक तंगियों से जूझ रहा है, जिसके कारण गैसोलीन और डीज़ल निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। सवाल है कि क्या भारत और दो सबसे बड़े तेल निर्यातक खिलाड़ियों के बीच अच्छे रिश्ते होने से रियायती दर पर तेल पाने में मदद मिलेगी? पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, पिछले साल रूस ने भारत को सस्ते दाम पर तेल दिया था। यह सौदा परस्पर लाभदायक प्रबंध रहा। यूक्रेन युद्ध शुरू के होने के तुरंत बाद वाले समय में बाकी देश आकाश छूती कीमत यानि 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक मूल्य पर तेल ले रहे थे। रियायत तो अभी भी उपलब्ध है लेकिन निश्चित रूप से पहले के मुकाबले कम। नतीजतन भारत को फिलहाल कच्चा तेल 93.93 डॉलर प्रति बैरल मिल रहा है जबकि जून में दाम 74.93 डॉलर प्रति बैरल था।

सुषमा रामचंद्रन

दूसरी ओर, सऊदी अरब ने अभी तक दक्षिणी गोलार्ध के मुल्कों को कोई रियायत नहीं दी है। पिछले कुछ से समय से एकमात्र राहत तब मिलने लगी जब भारत ने अपनी खरीद का बड़ा अंश खाड़ी देशों की बजाय रूस से लेना शुरू किया। खाड़ी देशों द्वारा एशियाई खरीदार मुल्कों के लिए तथाकथित छूट अब यही है कि प्रति बैरल अतिरिक्त शुल्क 10 डॉलर की बजाय 3.5 डॉलर लगेगा।

ओपेक संगठन के अग्रणियों की इस हठधर्मिता के चलते भारत के पास अर्थव्यवस्था पर बोझ सहने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इसका मतलब यह है कि महंगाई के दबाव और मौजूदा वित्तीय घाटे में और इजाफा हो सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि आने वाले अनेक वर्षों में भारत सहित पूरी दुनिया जीवाश्म ईंधन उत्पादक मुल्कों की मनमर्जी की बंधक बनी रहेगी क्योंकि इसमें कोई शक नहीं कि निकट भविष्य में भी यह ईंधन धरती पर ऊर्जा का मुख्य स्रोत बना रहेगा।

देश का भविष्य आखिर किस दिशा में...?

मामूली विवाद ने ली एक नाबालिग की जान

जघन्य अपराध को अंजाम दे गए नाबालिग, वारदात में शामिल 5 नाबालिगों को लिया गया हिरासत में

अस्पताल में भर्ती की सूचना पर अस्पताल पहुँचे परिजन।

शव के साथ प्रदर्शन करते परिजन।

माही की गूंज, रतलाम।

एक समय में चाकू बाजी और अपराध के लिए मशहूर रतलाम एक बार फिर उसी राह पर चल पड़ा है। सबसे बड़ी बात जिले में हो रहे अपराधों में लगातार नाबालिग बच्चे शामिल हो रहे हैं जिसमे हत्या जैसे जघन्य अपराध भी शामिल हैं। नशे के कारोबार में भी नाबालिक बच्चे तेजी से बड़े रहे हैं व नशे में भी लिप्त हो रहे है। जिस कारण उनकी संगति अपराधी क़िस्म के लोगो से हो जाती है जो बड़े अपराध में नाबालिको के शामिल होने का बड़ा कारण बन गया है। सोशल मीडिया के बढ़ते क्रेज की युवा पीढ़ी लगातार भटक रही है ओर मामूली विवाद लोगो की मौत का कारण बन रहे हैं।

मंगलवार रात रतलाम में बाइक टकराने का मामूली विवाद एक नाबालिग की हत्या तक जा पहुंचा। हत्या करने वाले नाबालिगों ने कहासुनी के चलते 17 वर्षीय किशोर को चाकू घोंप कर मौत के घाट उतार दिया। वारदात शहर के 80 फीट क्षेत्र में हुई, जिसके बाद पूरे नगर में सनसनी फैल गई। औद्योगिक पुलिस रतलाम ने अभी तक वारदात में शामिल आरोपियों को हिरासत में ले लिए हैं और चौकाने वाली बात यह है कि पांचो आरोपी नाबालिग है। मंगलवार रात को पुलिस को सूचना मिली की 80 फीट रोड पर एक नाबालिग खून से लथपथ पड़ा है। इस पर थाने से चीता के जवान मौके पर पहुंचे। तब नाबालिक होश में था और उसने पुलिस को हमलावरों के नाम भी बताए। पुलिसकर्मियों ने गंभीर घायल विनोद (17) पिता जगदीश पांचाल निवासी महेश नगर का बयान के रूप में वीडियो भी बनाया। कुछ देर बाद गंभीर घायल विनोद को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

नाबालिक मृतक विनोद पांचाल।

दो दिन पहले विनोद ने मारा था चांटा

प्रारंभिक जांच के अनुसार एक अक्टूबर को नयागांव क्षेत्र में बाइक टकराने की बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मृतक विनोद ने आरोपी को चांटा मारा था। इसके बाद से इनका विवाद बढ़ गया था। इस विवाद के बाद विनोद दो दिन तक घर से बाहर नहीं निकला था। मंगलवार को आरोपी उसे घर से बुलाकर ले गए थे और उसकी हत्या जैसे जुर्म को अंजाम दे दिया। हत्या में कितने लोग शामिल हैं और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं इसकी जांच पुलिस कर रही है। हत्या के बाद युवक के परिजन थाने पर जमा हो गए, नाबालिग की मौत के बाद परिवार में मातम पसर गया।

परिजन और समाज ने युवक का शव रख कर किया प्रदर्शन

बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजनों और समाजजनों ने साक्षी पेट्रोल पंप के पास रतलाम-सैलाना रोड पर मृतक नाबालिग का शव रखकर जाम लगा दिया। दो घंटे तक चले चक्काजाम के बाद अधिकारियों ने परिजनों को समझाइश दी तब जाकर जाम खत्म हुआ। परिजनों में नाबालिग की हत्या को लेकर खासा आक्रोश देखा गया।

बछोड़िया हाई स्कूल में बच्चे भर रहे पानी और बना रहे चाय

बच्चों का भविष्य अंधकार में

माही की गूंज, रतलाम/पिपलोदा।

जिले के पिपलोदा ब्लाक के रियावन संकुल के अंतर्गत आने वाले बछोड़िया स्कुल का मामला सामने आया है। जहाँ पर बच्चों से पानी भरवा रहे तो दूसरी और चाय भी बनवाने का मामला सामने आया है। आपको बता दें कि, गुरु कहे जाने वाले शिक्षक बच्चों पर थोड़ी भी रहम नहीं करते है जहाँ पर शिक्षा के साथ ही बच्चों से ही स्कुल का पानी भरवाया जा रहा तो वही स्कुल स्टॉप के लिए चाय तक भी बनवा रहे है। शिक्षा के मंदिर पर नन्हें-नन्हें बच्चे शिक्षा ग्रहण करने जाते है और वहां पर उन्ही से काम करवाया जाता है, वही बच्चों को अपने पिता पढ़ने के लिए स्कुल पहुंचाते है पर स्कुल मे तो पढ़ाने के साथ स्कुल का काम तक करना पढ़ता है।

स्कूली बच्चों ने बंद कैमरे में बताया कि, हमसे स्कुल में पिने का पानी भरवाते और स्कुल मे चाय भी बनवाते है और तो कभी हमसे स्कुल के टायलेट तक साफ करते है। शिक्षा के मंदिर मे गुरु शिक्षा ग्रहण के साथ-साथ बच्चो से इस प्रकार काम करवाते है ये बड़ी लापरवाही दिखती है।

इस संबंध ने सुरेश जाट शिक्षा समिति अध्यक्ष पिपलोदा ने बताया कि, मामला गंभीर है ऐसे बच्चों से काम करवाना बड़ी लापरवाही है। मैं कलेक्टर को पत्र लिखकर जाँच की मांग करूँगा और दोषी होंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

वही केसी शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि, हमें इसकी जानकारी मिली है ऐसे बच्चो से काम करवा रहे है तो गलत है, हम इसकी जाँच करके कार्रवाई करेंगे।

सुने मकान को चोरों ने बनाया निशाना, नगदी और जेवर लेकर हुए चंपत

माही की गूंज, रतलाम।

सोमवार-मंगलवार दरमियानी अज्ञात चोरों ने विंध्यवासिनी कालोनी के एक सूने घर में दरवाजा तोड कर नगदी और जेवर पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने घर में रखा काफी सामान घर के बाहर फेंक दिया। विंध्यवासिनी कालोनी में सी 34 में रहने वाले योगेश पिता दिलीपसिंह सिसौदिया राजस्थान में खाटूश्याम के दर्शन करने गए थे। परिवार के बाकी सदस्य भी बहार थे। मकान मालिक योगेश सिसौदिया मंगलवार को सुबह रतलाम लौटे, तो सुबह करीब साढे सात बजे उनके पडोसी का फोन आया कि उनके घर का सारा सामान घर के बाहर बिखरा पडा है। फोन पर सूचना मिलते ही योगेश सिसौदिया विंध्यवासिनी कालोनी में अपने घर पंहुचे तो उन्होने देखा कि उनके घर का सामान बाहर बिखरा पडा है। दरवाजे का नकूचा टूटा हुआ है। जब उन्होने घर के भीतर जाकर देखा तो पता चला कि घर में रखे नगदी और सोने की चैन, अंगूठी, झुमकी व चांदी को मोटी पायल और अंगूठी जेवरात नदारद थे। मकान मालिक ने दीनदयाल नगर पुलिस थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश प्रारंभ कर दी है।

किताब देने के बहाने स्कूल बुलाकर छात्रा से की छेड़छाड़, शिक्षक गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के अंतिम छोर पर बसे गांधीसागर में एक शिक्षक ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। शिक्षक ने छुट्टी के दिन भी छात्रा को किताब देने के बहाने स्कूल में बुलाया था।मंदसौर जिले में बालिकाओं व महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ व दुष्कर्म के मामले बढ़ते ही जा रहे है। अभी शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बंजारी में मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था और अब गांधी जयंती पर ही गांधीसागर में छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना हो गई।

स्वजनों ने थाने पर की शिकायत

गांधीसागर के शासकीय विद्यालय में पदस्थ शिक्षक जगदीश पाटीदार ने गांधी जयंती की छुट्टी होने के बावजूद सोमवार को स्कूल की छात्राओं को पुस्तक देने के लिए बुलाया। उनमें से एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। बाद में छात्रा ने स्वजनों के साथ जाकर थाने में शिकायत की। पुलिस ने आरोपित शिक्षक जगदीश पाटीदार को गिरफ्तार कर लिया है। इधर शासकिय स्कूल खखराई में मंगलवार को शिक्षक ही नहीं पहुंचे। दोपहर 1 बजे तक ताला लगा होने के कारण बच्चे मायूस होकर घर लौट गए।

जिस विधानसभा में राहुल गांधी ने की रैली वहीं उपजी बगावत

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले की कालापीपल विधानसभा से अभी कांग्रेस नेता कुणाल चौधरी विधायक हैं। इस बार कुणाल चौधरी की मुसीबत बढ़ सकती है। इसकी वजह है कि जिला पंचायत के पूर्व सदस्य चतुर्भुज तोमर ने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है।

कालापीपल विधानसभा जातिगत समीकरण हमेशा से भाजपा के पक्ष में रहा है। खाती समाज का यहां दबदबा है और निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा करने वाले चतुर्भज तोमर खाती समाज से आते हैं। अभी तोमर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मेंबर हैं। वर्ष 2002 में शाजापुर जिला पंचायत के मेंबर भी रहे हैं और गांव तिलावत से सरपंच भी रह चुके हैं।

चतुर्भज तोमर ने 2018 विधानसभा चुनाव में भी टिकट मांगा था मगर कांग्रेस ने कुणाल चौधरी को टिकट दे दिया। उसके बाद से ही तोमर पार्टी से नाराज चल रहे थे।

वहीं, बीते दिनों पहले पोलाय कलां में हुई राहुल गांधी की सभा में भी चतुर्भुज तोमर को नहीं बुलाया गया था। इससे भी उनकी नाराजगी काफी बढ़ गई। हालांकि, अभी तोमर ने कांग्रेस से त्यागपत्र नहीं दिया है। मगर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। 3 वर्ष से पूरी विधानसभा में चतुर्भुज तोमर 4 बार पद यात्रा कर चुके हैं।

तोमर ने ठुकराया आप का ऑफर

कालापीपल विधानसभा से चुनाव लड़ने का मन बना चुके चतुर्भज तोमर को आम आदमी पार्टी (आप) ने चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। मगर तोमर निर्दलीय ही चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। शाजापुर जिले की कालापीपल विधानसभा में जातिगत चुनाव होता है। यहां खाती समाज के 35 हजार वोट हैं। माना जाता है कि, खाती समाज का वोटर भाजपा के पक्ष में रहता है। मगर कांग्रेस ने वर्ष 2018 में कुणाल चौधरी को टिकट दिया था।

कुणाल भी खाती समाज से आते हैं और चतुर्भुज तोमर भी, इसलिए अगर अगर तोमर चुनाव लड़ते हैं तो इस बार वोट बिखर सकते हैं। इससे सबसे ज्यादा दिक्कत कुणाल चौधरी को सकती है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है। मगर युवा विधायक कुणाल चौधरी दोबारा कांग्रेस के टिकट के सबसे मजबूत दावेदार हैं।

तापमान 33 डिग्री पार उमस से नहीं मिल रही निजात

माही की गूंज, मंदसौर।

अक्टूबर महीने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अभी तक भी उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री से अधिक बना रहने के कारण गर्मी महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिक अब मौसम में बदलाव का अनुमान लगा रहे है। जिसके बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

सप्ताह में 3 डिग्री बढ़ा तापमान

मंदसौर शहर सहित जिले भर में 13 से 24 सितंबर के बीच बारिश का दौर रहा। बादल छाए रहने और बारिश वर्षा के चलते दोपहर का तापमान 27 से 29 डिग्री के बीच ही बना रहा। 27 सितंबर को दोपहर का तापमान 25 डिग्री पर पहुंच गया था। 25 सितंबर के बाद से ही तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। एक सप्ताह में तापमान में 3 डिग्री की बढ़त हुई है। दोपहर में तेज धूप एवं उमस से लोग परेशान हो रहे है।

रात में गर्मी से राहत

अक्टूबर माह में भी गर्मी का असर बना रहने से दोपहर में नागरिक चेहरे को कपड़े से ढककर निकल रहे है। वहीं न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास ही बना हुआ है। रात का तापमान कम होने से देर रात के बाद गर्मी से कुछ राहत मिल रही है, लेकिन दिन में हाल-बेहाल है। सोमवार को भी सुबह से यही हाल रहा। उमस से लोग परेशान रहे। दोपहर में तेज धूप ने मुश्किलें बढ़ा दीं।

24 सितंबर के बाद नहीं हुई वर्षा

जिले में मानसून की मेहरबानी इस साल कम ही हुई है। सितंबर माह के दूसरे सप्ताह से वर्षा प्रारंभ हुई 24 सितंबर तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में वर्षा हुई। इस दौरान मौसम में ठंडक भी रही। अब एक सप्ताह से वर्षा नहीं हुई है। वहीं आकाश से बादल भी छंट गए हैं। मौसम साफ होते ही गर्मी का असर बढ़ गया है। 25 सितंबर से अब दोपहर के तापमान में 3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

चीलर डेम 6 फीट खाली, मानसून की हो रही विदाई

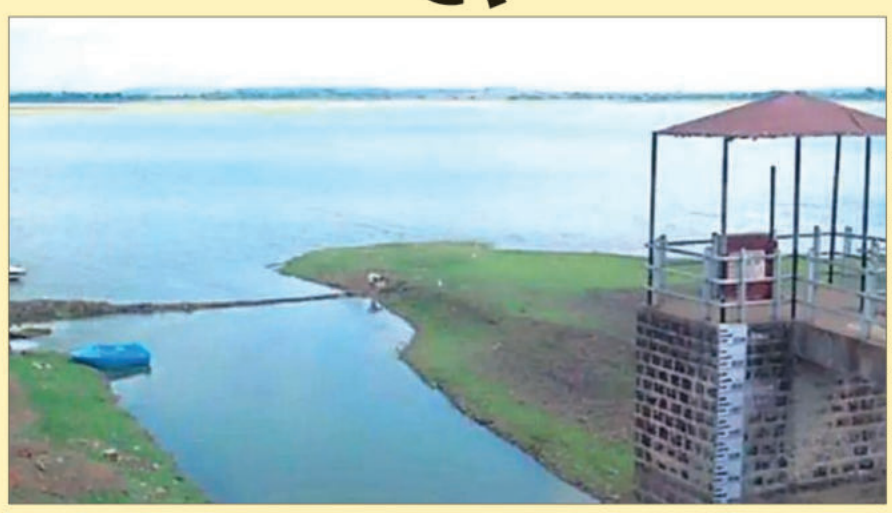

माही की गूंज, शाजापुर।

पिछले कई दिनों से चल रही मानसून की गतिविधियां अब खत्म होने वाली हैं। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार के बाद से विदा ले रहा है। शाजापुर जिले में भी मानसून खत्म होने को है, लेकिन लोगों को अभी भी गर्मी और उमस झेलनी पड़ रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के बाद मौसम विभाग का कहना है कि मानसून का सीजन समाप्त हो जाएगा। कुछ दिनों बाद सर्दी के सीजन का आगमन होगा। इस वर्ष 26 जून से मानसून ने शाजापुर जिले में दस्तक दी थी। इसके पहले प्री मानसून का दौर जारी था। हालांकि शाजापुर में मानसूनी सीजन समाप्त हो गया है। अब कुछ दिनों बाद सर्दी भी पड़ना शुरू हो जाएगी। सोयाबीन की कटाई भी शुरू हो चुकी है, इसके बाद रबी सीजन की फसल बुआई का सिलसिला चालू होने वाला है। इस बार कम वर्षा के चलते जिले में सिंचाई के लिए पानी की समस्या तो आएगी।

42.6 प्रतिशत कम बारिश हुई

वहीं मौसम विभाग ने कहा है कि, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार कम वर्षा हुई है। वर्षा की कमी का असर अब दिखने भी लगा है, गत दिनों से दिन में तापमान के साथ जो उमस हो रही है, दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है तापमान 32 डिग्री के आसपास जा रहा है। इस साल पिछले वर्ष की तुलना में करीब 42.6 फीसदी कम बारिश हुई। एक जून से 30 सितंबर तक जिलेभर में औसत वर्षा करीब 738.8 मिमी दर्ज की गई, जो गत वर्ष 1287.4 मिमी थी। एक वर्ष के लिए जिले को करीब 990.1 मिमी वर्षा की जरूरत होती है।

17 फीट ही भर पाया डेम

इस वर्ष सीजन के करीब 122 दिन का आंकड़ा जिले की सामान्य औसत बारिश के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। शहर सहित आसपास क्षेत्रों का एकमात्र पेयजल स्त्रोत चीलर डेम इस बार कम वर्षा के कारण पूरा नहीं भर पाया है। जानकारी के अनुसार इस बार वर्षा में डेम में करीब 17 फीट तक ही भर पाया है, जबकि एक साल के लिए पेयजल और सिंचाई की पूर्ति के लिए डेम में 23 फीट पानी की जरूरत होती है। अभी भी डेम में छह फीट पानी कम है।

सिंचाई के लिए काफी नहीं

पेयजल की व्यवस्था तो इस 17 फीट पानी से हो जाएगी, लेकिन सिंचाई के लिए इतना पानी पर्याप्त नहीं है। मानसून विदा होते ही जिलेवासियों को चिलचिलाती व उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। हवा की गति थमने से स्थिति और खराब हुई है। वर्षा के मौसम में भी तापमान अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक है। इसके साथ ही वातावरण में भारी उमस का स्तर 90 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है।

बढ़ रहा तापमान

सुबह के सात बजे भी लोगों के शरीर से पसीने का गिरना जारी है, जो दिन भर लोगों को बेहाल कर रहा है। मानसून के शुरुआत के साथ हुई कुछ दिनों की वर्षा ने लोगों को कुछ राहत दिया था, लेकिन वर्षा के कुछ दिनों से थमने के कारण मौसम के मिजाज में उच्च तापमान का स्तर जारी है। पिछले करीब एक सप्ताह से शहर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से ज्यादा बना हुआ है। वहीं चार दिन से तो तापमान 32 डिग्री के पार ही है। 25 से 30 सितंबर के बीच मानसून की वापसी की संभावना जताई जा रही थी।

कुक्षी की घटना के विरोध में आम्बुआ बंद रहा सफल

चाय, पानी, नाश्ते के लिए तरसे लोग, परेशान हुए ग्रामीण

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों धार जिले के कुक्षी नगर में गणेश विसर्जन जुलूस पर असामाजिक तत्वों द्वारा हमला करने की घटना से नाराज हिंदूवादी संगठनों के आह्वान पर अलीराजपुर जिले सहित ग्रामीण क्षेत्र आम्बुआ भी विरोध स्वरूप बंद रहा।

मिली जानकारी के अनुसार अनंत चतुर्दशी के अवसर पर देवालय में प्रथम पूज्य गजानन की मूर्तियों के विसर्जन हेतु जा रहे जुलूस पर कुक्षी नगर के कतिपय शरारती तत्वों द्वारा पत्थर बाजी की गई। आरोपियों पर सख्त तथा तत्काल कार्यवाही की मांग हिंदूवादी संगठनों द्वारा की जा रही है। शासन प्रशासन पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत धार सहित अलीराजपुर जिले में भी बंद की अपील की गई। आम्बुआ में 4 अक्टूबर को लगभग सभी प्रतिष्ठान बन्द रहे। पूरे कस्बे में शाम तक मात्र दो तीन प्रतिष्ठान आधे बंद रखे गए। जबकि आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोड़झार मे 99 फीसदी बंद रहा जिसे सफल माना जा रहा है। कस्बे में पुलिस की मांकुल व्यवस्था चप्पे-चप्पे पर देखी गई बाजार में सन्नाटा पसरा रहने से चाय नाश्ते के लिए लोग तरस गए। ग्रामीण जिन्हें बंद का पता नहीं था बाजार आ गए तथा मायूस होकर वापस घर लौटते नज़र आए।

बुधवार शाम 5 बजे सकल हिंदू समाज पंचायत परिसर पर एकत्रित हुआ और सामूहिक रूप में बड़ी संख्या में नारों के साथ नगर में रैली निकालकर आम्बुआ थाने पर थाना परभारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन का वाचन भरत महेश्वरी द्वारा किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि, कुक्षी में हुई घटना से संपूर्ण हिंदू समाज की भावना आहत हुई। धार्मिक आयोजन योजनाबद्ध रूप से हमला करना किसी बड़े षड़यंत्र की और संकेत देता है। इससे संपूर्ण हिंदू समाज आक्रोशित है। ज्ञापन के माध्यम से दोषियों पर नाम जद प्राथमिकी दर्ज कर तथा शीघ्र सजा का निर्धारण करने तथा चिन्हित अपराधियों को सजा देने की मांग की गई है।

केन्द्रीय विद्यालय में हिंदी पखवाड़ा समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

केन्द्रीय विद्यालय बड़वानी में हिंदी पखवाड़ा समारोह जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार निहाले के मुख्य आतिथ्यत्व एवं कुन्दन राठौर प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान हिंदी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन क्रिज मास्टर कुन्दन राठौर के द्वारा किया गया। जिसमें हिंदी साहित्य और भाषा, हिंदी सिनेमा और टेलीविजन जगत के श्रव्य-दृश्य, ज्ञान, विज्ञान की भाषा हिंदी से जुड़े प्रश्नों के जवाब शिवाजी, टैगोर, अशोक, रमन सदन की टीमों द्वारा दिए गए। किस मुस्लिम कवि को श्रीकृष्ण का सबसे बड़ा भक्त होने का श्रेय प्राप्त है ?, कौन से जीव में रक्त नहीं होता परन्तु वह साँस लेता है आदि रोचक प्रश्नों के जवाब देकर केशव नारोलिया की टैगोर सदन टीम ने प्रथम और अभिनव गुप्ता की शिवाजी टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

पखवाड़ा के दौरान अनेक साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें निबन्ध, वाद विवाद, नारा, काव्य पाठ, तात्कालिक भाषण, गीत, पारिभाषिक शब्दावली, प्यारी हिंदी चित्रकला प्रतियोगिता इत्यादि गतिविधियों के विजेता प्रतिभागियों जिनमें नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थी शामिल थे, को जिला शिक्षा अधिकारी निहाले द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर आशीर्वचन उद्बोधन में महेश कुमार निहाले ने विद्यालय के विद्यार्थियों के आयोजन कौशल, नेतृत्व क्षमता तथा सम्प्रेषण कला की प्रशंसा की, बाद में मुख्य अतिथि द्वारा बालवाटिका कक्षाओं एवं दूसरी कक्षा की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर प्राथमिक विभाग के न्यूज लैटर का विमोचन महेश निहाले डीईओ, कुन्दन राठौर प्राचार्य और हेमंत कुमार वर्मा, आरती सुमन, साक्षी वर्मा संपादन मंडल द्वारा किया गया.समारोह का संचालन आयुषी पाटीदार द्वारा किया गया। पखवाड़ा का संयोजन रश्मि सक्सेना और कैलाश काग द्वारा किया गया। आभार हेमंत वर्मा ने माना. समारोह के दौरान समस्त स्टाफ़ सदस्य आकांक्षा सिंह, विकास रावत, रक्षा राठोड़ मौजूद थे।

पिता ने 2015 में देहदान का लिया था संकल्प, पुत्रो ने पिता की इच्छानुसार देहदान कर पेश की मिशाल

माही की गूंज, बड़वानी।

कुक्षी जिला धार के पाटीदार समाज के वरिष्ठ सफल व्यवसायी एवं किसान सामाजिक क्षेत्रों में अग्रणी वदव पिता सुखलाल पाटीदार का 90 वर्ष की उम्र में मंगलवार को बड़वानी के गुरुपद अस्पताल में निधन होने पर पुत्रो द्वारा महेश पाटीदार एवं राजेंद्र पाटीदार ने अपने पिता के संकल्प को पूरा करने हेतु अस्पताल के संचालक डाक्टर पंकज गुप्ता व डा.जय पाटीदार को अवगत करवाया। जिस पर अजीत जैन एवं चक्रेश पहाड़िया ने इंदौर के मुस्कान ग्रुप संदीपन आर्य के माध्यम से वदव जी पाटीदार का पार्थिव शरीर मेडिकल कालेज इंदौर भेजा गया। भेजने के पूर्व वेदव पाटीदार के नेत्रदान सरस्वती अस्पताल के ललित मालव ने राम जाट के माध्यम से बड़वानी में ही संपन्न किए और गुरुवार सुबह परिजनों रिस्तेदारो एवं पाटीदार समाज सहित गणमान्य नागरिकों ने कुक्षी में विधि विधान से अंतिम संस्कार के पूर्व की प्रक्रिया संपन्न कर वेदव पाटीदार का पार्थिव शरीर लोकेश पहाड़िया, जय पाटीदार, चक्रेश पहाड़िया एवं अजीत जैन को प्रदान कर पिता ने 2015 की इच्छानुसार देह दान संपन्न किया।

पुत्रियां गीता जगदीश पाटीदार, सुनीता बलराम पाटीदार, रीता महेश पाटीदार सहित समाज अध्यक्ष महेश गंगा जलिया एवं पाटीदार समाज के वरिष्ठ रामनारायण मोदी सहित कुक्षी नगरवासीयो ने स्वजन के लोक कल्याण भाव की प्रसंशा की।

एक दिवसीय वेबीनार में प्रभावी शोध प्रस्तुति के प्रदान किए स्वर्ण पदक

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा एवं वनस्पति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. वीणा सत्य ने एक दिवसीय नेशनल वेबीनार में प्रभावी शोध प्रस्तुति के लिए प्रो. मोहित सोनी, प्रो. रॉनी जॉय को स्वर्ण पदक एवं प्रशंसा-पत्र प्रदान किये।

प्राचार्य डॉ. वर्मा ने कहा कि, प्राध्यापकों के लिए रिसर्च एक अनिवार्य गतिविधि है। तीनों शोधार्थियों ने तथ्यपूर्ण और विश्लेषणात्मक शोध आलेख तैयार किये तथा उन्हें वेबीनार में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। वेबीनार के तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. वीणा सत्य और डॉ. परवेज मोहम्मद ने विजेताओं का निर्णय किया। इस विषय पर हुआ वेबीनार यह वेबीनार स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से हुआ था।

कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया एवं वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि, कौशल आधारित अधिगम एवं रोजगार विषय पर ये वेबीनार हुआ था। इसमें प्रो. मोहित सोनी ने 'स्किल बेस्ड लर्निंग एंड एम्पलायबिलिटी - एन एनालिसिस थ्रू मेथेमेटिकल मॉडलिंग' प्रो. रॉनी जॉय ने 'स्टूडेंट इंगेजमेंट इन स्किल बेस्ड लर्निंग तथा डॉ. आशा साखी गुप्ता ने 'कृषि क्षेत्र में सहायक उद्यम एवं रोजगार की संभावनाएं' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किये थे। वेबीनार के आयोजन में अंतिम मौर्य, सुरेश कनेश, भियारी गुर्जर, अक्षय चौहान, राहुल वर्मा, कन्हैयालाल फूलमाली, पपीला डूडवे, पूजा बामनिया एवं डॉ. मधुसूदन चौबे ने किया।

कैबिनेट मंत्री ने किया दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण

माही की गूंज, बड़वानी।

जनपद पंचायत पाटी के ऐसे दिव्यांगजन जिनका उपकरणों हेतु पूर्व में ही विगत माह में चिन्हांकन किया जा चुका था। ऐसे दिव्यांगजनों का उपकरण वितरण शिविर का आयोजन आजीविका भवन पाटी में किया गया। जिसमें केबिनेट मंत्री सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग प्रेमसिंह पटेल के द्वारा दिव्यांगजनो को 7 बैटरी चलित ट्राईसाइकल, 40 हाथ ट्राईसाइकल, 16 श्रवण यंत्र व 51 अन्य उपकरण वितरित किए गए। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा चल रहे 2 से 8 अक्टूबर मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत सभी दिव्यांगजनों को एवं आम जनों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर एलिम्को उज्जैन का दल, सामाजिक न्याय बड़वानी व आशाग्राम ट्रस्ट बड़वानी के अधिकारी कर्मचारी व जनपद पाटी के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकुल स्तरीय संगठनों के पर्यावरण मित्रों को स्कूटी का किया वितरण

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्यमंत्री मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राज्य स्तरीय स्व सहायता समूह सम्मेलन में पर्यावरण मित्रों को स्कूटी वितरण एवं समूहों को ऋण वितरण का कार्यक्रम मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले से 50 समूह सदस्यो ने जंबूरी मैदान भोपाल में प्रतिभाग किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार बड़वानी में प्रदेश के केबिनेट मंत्री पशुपालन एवं सामाजिक न्याय प्रेमसिंग पटेल के मुख्य आतिथ्य में एवं जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल के विशेष आतिथ्य में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बड़वानी जगदीश कुमार गोमे की अध्यक्षता में आजीविका मिशन बड़वानी में उपस्थित 20 संकुल स्तरीय संगठनों के पर्यावरण मित्रों को 20 स्कूटी का वितरण किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने समूह सदस्यो को बधाई देते हुए दीदियों से स्कूटी चलवाकर देखी। साथ ही स्व सहायता समूह सम्मेलन में 206 समूहों को 6 करोड़ 40 लाख ऋण वितरण का सांकेतिक चेक वितरण किया।

उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य बरमा सोलंकी एवं आजीविका मिशन बड़वानी के अधिकारी, कर्मचारी एवं समस्त विकास खंड से आई आजीविका मिशन समूह की दीदिया उपस्थित रही। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री ने कहा कि, प्रदेश की सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने एवं उनके सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्ही योजनाओं में से एक है, आजीविका मिशन के अंतर्गत बहनों को जोड़कर उन्हे आर्थिक रूप से सशक्त बनाना। और मुझे इस बात की खुशी है कि बड़वानी जिले में आजीविकास मिशन की बहनों के द्वारा बहुत ही अच्छे कार्य किए जा रहे है।

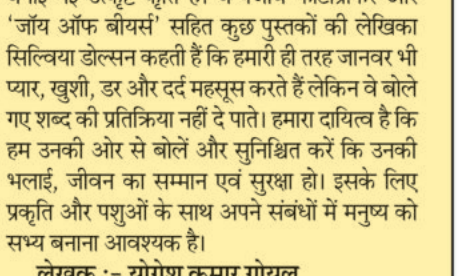

मानव के अस्तित्व से जुड़ा बेजुबानो का संरक्षण

मानव के अस्तित्व से जुड़ा बेजुबानों का संरक्षण

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है। विश्व पशु दिवस पहली बार सिनोलॉजिस्ट हेनरिक जिमर्मन की पहल पर जर्मनी के बर्लिन में 24 मार्च, 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के मकसद से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकी विदों के सम्मेलन में विश्व पशु दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया था। यह कार्यक्रम सेंट फ्रांसिस ऑफ़ असीसी के पर्व के साथ रखा गया था। वर्ष 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी नेचर वॉच फाउंडेशन द्वारा लांच की गई थी। इस दिन को पशु प्रेमी दिवस के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है।

दरअसल, पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारी जिंदगी को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर पारिस्थितिकीय संतुलन, पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है।

विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस का विषय है 'ग्रेट ऑर स्मॉल, लव दैम ऑल' यानी पशु चाहे छोटे हों या बड़े, हम उन सभी से प्यार करें।

भारत में करीब 70 फीसदी आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीब परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है। दरअसल, यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है।

मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वाभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। गाय, भैंस, बैल, गधे, घोड़े से लेकर कुत्ते-बिल्ली तक सभी पशु किसी न किसी रूप में मनुष्यों के सहायक हैं। इसी तरह पक्षी व कीट भी हैं। गिलहरी को प्राकृतिक माली कहा जाता है। ऊदबिलाव तालाबों तथा बांधों में जमीन की नमी एवं हरियाली बनाए रखकर वेटलैंड का निर्माण करते हुए कार्बन डाइऑक्साइड का पर्याप्त भंडारण करते हैं। चमगादड़ एक प्राकृतिक कीटनाशक जीव माना गया है, जो खेती-बाड़ी के लिए हानिकारक एक हजार से भी ज्यादा कीड़े-मकोड़े खा जाता है, मच्छरों को नहीं पनपने देता और इस प्रकार कृषि, उसमें उपयोगी जानवरों तथा दुधारू पशुओं की बीमारियों से रक्षा करता है।

हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से यह जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं और इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं।

मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। जैव विविधता के जनक के नाम से विख्यात हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीव विज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर और 'जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द की प्रतिक्रिया नहीं दे पाते। हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई, जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

लेखक :- योगेश कुमार गोयल

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

कथा डॉक्टर और मरीज की तरह होती है, डॉक्टर की दवा खाना पड़ती है, कथा मन में उतारना पड़ती है - पंडित शास्त्री

माही की गूंज, आम्बुआ।

जिस प्रकार डॉक्टर अस्पताल में पर्ची लिखकर देता है और उस पर्ची से दवा मिलती है जिसके खाने से मरीज ठीक हो जाता है। उसी तरह कथा भी कथावाचक के माध्यम से पर्ची रूपी ज्ञान देता है जिसको मन में उतारने से मन ठीक हो जाता है।

उक्त कथन आम्बुआ में शंकर मंदिर प्रांगण में चल रही भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ के दौरान व्यास पीठ से चौथे दिवस की कथा में पंडित अमित शास्त्री ने सामने उपस्थित कथा रशिकों के सामने व्यक्त किया। आगे उन्होंने बताया कि, जिस तरह दवा कड़वी होती है उसके बावजूद उसे पेट में उतारना पड़ती है। ठीक वैसे ही कथा भी कड़वी होती है उसे दिल में उतारना पड़ता है दवा बीमारी ठीक करती है। कथा मन की समस्त बीमारियां ठीक करती है। जिस तरह कड़वी दवा कोई पसंद नहीं करता वैसे ही मन से बीमार को कथा पसंद नहीं आती है। कथा में आगे जड़भरत की कथा जो की हिरण के मोह में फंसा तथा मरने के बाद हिरण के रूप में पैदा हुए, हिरण के बाद पुनः एक ब्राह्मण के घर में भरत के रूप में उत्पन्न हुए। यहां भी उन्हें अपने पूर्व जन्म की कथा याद रही, माता-पिता के स्वर्गवास के बाद भाई भाभियों ने घर से निकाल दिया। उन्होंने भक्ति नहीं छोड़ी और उद्धार हुआ उन्होंने राजा को उपदेश दिया था कि काटना है तो पाप काटो, भजन से पाप कट जाता है। कथा में आगे अजामल की कथा जो की महा पापी था मगर संतों के कहने पर बच्चों का नाम नारायण रखा और अंतिम दिनों में उसका उद्धार हुआ। कथा में आगे राजा बलि की कथा जिसमें वामन भगवान ने तीन पग जमीन में सब कुछ मांग लिया। कथा में आगे शास्त्री जी ने बताया कि, इंद्र ने गुरु का अपमान किया। जिस कारण उसका राज्य राक्षसों ने छुड़ा लिया कथा में आगे हिरण कश्यप की कथा जिसके परिवार में प्रहलाद हुआ। जिसे मारने का प्रयास हिरण कश्यप ने कि अपने भगत को बचाने भगवान ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण कश्यप का उद्धार किया। कथा में गज और ग्राह की कथा जिसमें भगवान ने मगर का उद्धार किया। राजा हरिश्चंद्र, राजा दिलीप की तथा राजादशरथ की कथा के बाद शबरी की कथा जिसमें भगवान राम ने उसे दर्शन दिए।

कथा में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया माखन मिश्री का भोग लगाया जाकर दर्शकों ने जमकर जश्न मनाया।

गुजरात ले जा रहे थे अवैध शराब, पुलिस ने की जप्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अवैध शराब के परिवहन व विक्रय के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी बखतगढ़ पुलिस ने एक कार से एक लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बताया, बखतगढ़ पुलिस टीम को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली थी कि सफेद रंग की कार क्रमांक जीजे 05 जेए 6893 में अवैध शराब भरकर छकतला से फूलमाल होकर गुजरात ले जाई जा रही है। इस पर थाना प्रभारी सोनू सितोले ने दल के साथ छकतला से फूलमाल रोड पर सर्चिंग शुरू की। तभी ग्राम बयड़िया पटेल फलिया में संदिग्ध कार आगे जाते दिखाई दी। इस पर दल ने कार का पीछा किया। पुलिस को देख चालक वाहन को रोड किनारे खड़ा कर अंधेरे का फायदा उठा भाग निकला। वाहन में अंग्रेजी शराब की 14 पेटी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। मामले में अज्ञात आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा जब्त कार की कीमत आठ लाख रुपये बताई गई है।

एसपी व्यास ने बताया कि, संपूर्ण जिलें में अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार पुलिस की नजर बनी हुई है। असामाजिक तत्वों पर आगे भी प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से हुई महिला की मौत, फोरलेन पर किया चक्काजाम

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के गांव बही पार्श्वनाथ में करंट लगने से झुलसी विवाहिता ने इलाज के दौरान इंदौर में दम तोड़ दिया। इसके विरोध में आक्रोशित परिजनों, ग्रामीणजनों, कांग्रेसजनों, भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने शव को सड़क पर रखकर दो घंटे तक फोरलेन पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की कतार लग गई। तहसीलदार ने परिजनों की मांगों को लेकर निराकरण का भरोसा दिया, तब जाकर चक्काजाम खोला गया।

25 सितंबर को गांव बही पार्श्वनाथ में घर की छत से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से कपड़े सुखाने गई महिला अवंतीबाई पति भुवानीराम झुलस गई थी। उसे मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने पर महिला को इंदौर रैफर किया दिया था। अवंतीबाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों, ग्रामीणों, कांग्रेसजनों व भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने महिला के शव को हाइवे पर रखा और चक्काजाम किया। प्रशासन देगा महिला के बेटे को नौकरी

प्रदर्शनकारियों ने महिला की मौत पर परिजनों को एक करोड़ की सहायता राशि देने की मांग की। साथ ही गांव में पदस्थ बिजली कर्मचारी को हटाने, महिला के बेटे विशाल को सरकारी नौकरी देने, बिजली की डीपी व हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग की। चक्काजाम की सूचना पर तहसीलदार ब्रजेश मालवीया सहित आसपास के थाना क्षेत्र का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दो घंटे तक चक्काजाम और विरोध प्रदर्शन चला। तहसीलदार ने मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने अधिकारियों से लिखित में लिया। मल्हारगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के सहायक यंत्री हिम्मत सिंह चौहान ने मृत महिला के पुत्र विशाल को पात्रता अनुसार सरकारी नौकरी पर रखने के लिए लिखित में अनुबंध पत्र दिया। तब चक्काजाम हटा।

तहसीलदार ब्रजेश मालवीय ने बताया कि नौकरी की मांग को लेकर विद्युत वितरण कंपनी ने अनुबंध कर लिया है, अन्य मांगों को लेकर भी प्रस्ताव शासन को भिजवाया है।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई में पति-पत्नी जताई इच्छा, 'हम दशहरा पर मरना चाहते हैं'

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में एक दंपति ने अपने पड़ोसी से तंग आकर मुख्यमंत्री से इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई है। मुख्यमंत्री जनसुनवाई में प्रार्थना पत्र देते हुए उन्होंने दहशरा तक अपनी जीवन लीला समाप्त करने की मांग की है। पीड़ित दंपति इंसाफ पाने के लिए जिले के पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के दरों पर भटक रहा है। दंपति का आरोप है कि, उनका पड़ोसी आए दिन उन्हें धमकी देता है।

शाजापुर के काशी नगर निवासी निजी स्कूल में पढ़ाने वाली नीलिमा जैन ने बताया कि, वह अपने दिव्यांग पति पार्श्व जैन के साथ घर में रहती हैं। उनके पड़ोस में बीएसएफ से रिटायर्ड सुनील रहता है। कुछ दिन पहले सुनील के घर के सामने किसी ने आपत्तिजनक चीज डाल दी। सुनील इसका आरोप उन पर लगाते हुए गालियां देने लगा।

पुलिस से की शिकायत, पर नहीं हुई कार्रवाई

दंपति ने जब सुनील की गालियों का विरोध किया तो वह उन्हें डराने-धमकाने लगा। उनका आरोप है कि, आए दिन सुनील उनको परेशान करता है। पति-पत्नी ने इसकी शिकायत थाने में की। पुलिस ने मामला तो दर्ज कर लिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस की ओर से कार्रवाई न होने से पड़ोसी सुनील के हौसले बढ़ गए। पीड़ित दंपति ने आलाधिकारियों तक शिकायत की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई के दौरान पार्श्व जैन और नीलिमा जैन ने इच्छा मृत्यु के लिए पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत को प्रार्थना पत्र दिया। नीलिमा का कहना है कि, वह प्राइवेट स्कूल में जॉब करती हैं, उनके पति पैर से लाचार हैं। वह घर पर अकेले रहते हैं, बाहर बैठ नहीं पाते हैं। पड़ोसी सुनील आए दिन उन्हें तंग कर रहा है। वह उन्हें डराता-धमकता है। पुलिस से इंसाफ मांगा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने गुहार लगाते हुए कहा कि, वह दशहरा पर अपनी इच्छा से मौत को गले लगाना चाहते हैं।

मधुमेह एवं ब्लड प्रेशर परिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

सेवा के लिये प्रकल्प की और प्रकल्प के लिए संकल्प कि भावना प्रबलता के साथ होना चाहिए, इसी उद्देश्य को लेकर लायंस क्लब जावरा के माध्यम से नेत्र चिकित्सालय का संचालन प्रत्येक लायन साथी का प्रकल्प के साथ संकल्प का परिणाम है। उसी तारतम्य में लायंस क्लब इन्टरनेशनल के आव्हान पर सेवा सप्ताह का आयोजन लायंस क्लब जावरा द्वारा किया जा रहा है। सेवा सप्ताह के तृतीय दिवस 4 अक्तूबर को विशाल मधुमेह परिक्षण, एवं ब्लड प्रेशर परिक्षण शिविर शुभारंभ के दोरान उक्त विचार लायंस क्लब जावरा के अध्यक्ष ला अजय सकलेचा व्यक्त किये गये। उक्त जानकारी देते हुए सेवा सप्ताह समिति चेयरमैन शेखर नाहर सेवा सप्ताह समिति को-चेयरमैन पंकज काठेड ने बताया कि, लायंस क्लब जावरा द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत तीसरे दिवस मधुमेह परिक्षण एवं ब्लड प्रेशर परिक्षण शिविर का आयोजन लायंस नेत्र चिकित्सालय पर किया गया। जिसमें 138 व्यक्तियों का निःशुल्क शुगर परिक्षण एवं ब्लड प्रेशर परिक्षण किया गया। साथ ही दितीय दिवस 3 अक्तूबर को जागनाथ महादेव स्थित श्री अनपुर्णा अन्नक्षेत्र पर दरिद्र नारायण को भोजन कराया गया था।

शिविर के दोरान दोरान अध्यक्ष ला अजय सकलेचा, सचिव ला रजत सोनी, कोषाध्यक्ष ला संदीप रांका, नेत्र चिकित्सालय चेयरमैन ला विजय पामेचा, पूर्वाध्यक्ष गण ला अनिल धारीवाल, ला रमेश मेहता, ला सजीवर्गीस के साथ ला शरद डुगंरवाल, ला देवेन्द्र शर्मा (नियती), ला अनुप शर्मा, ला पियुष चोधरी आदी उपस्थित थे। शिविर में ब्लड जांच प्रदीप सिंह झाला एवं ब्लड प्रेशर की जांच जितेन्द्र पाटीदार द्वारा कि गयी। व्यवस्था में नेत्र चिकित्सालय मैनेजर जे पी श्रीवास्तव एवं नेत्र चिकित्सालय के स्टाफ ने व्यवस्था मे सहयोग किया। उक्त कार्यक्रम का संचालन सचिव ला रजत सोनी ने किया। अंत में आभार सेवा सप्ताह समिति चेयरमैन ला शेखर नाहर द्वारा व्यक्त किया गया।

समूह से जुड़कर दीदियां अपनी और अपने परिवारजनों का पालन पोषण करने लगी हैं- विधायक श्रीमती वर्मा

माही की गूंज, धार।

स्व सहायता समूहों से जुकड़कर दीदियां अपनी और अपने परिवारजनों का पालन पोषण करने लगी हैं। महिलाओं के जीवन में इस से सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगा है। ये बात विधायक नीना वर्मा ने पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित महिला स्व सहायता समूह सम्मेलन और स्कूटी वितरण सह बैंक लिंकेज के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित समूहों की दीदियों से कही। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रृंगार श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी और जिले के स्व सहायता समूहों से जुड़ी दीदियां मौजूद थे।

विधायक श्रीमती वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि, महिलाएं हमेशा घर के कार्यों में व्यस्थ रहती है। कभी किसी महिला की जिम्मेदारी पूरी नही होती है। महिलाएं खूबसूरत तरीके से सारे कार्य करती है। इन्हीं महिलाओं को समाज में आगे लाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर आगे बढ़ाने के लिए हमारे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कई सारी योजनाएं लागू कर रोजगार से जोड़ा है। वे जब से हमारे मुख्यमंत्री बने है, उन्होंने सबसे पहले नगरीय और पंचायत चुनाव में महिलाओं को आगे बढ़ायाऔर अब भी 33 प्रतिशत आरक्षण ला कर चुनाव में भाग दिलवाते है।

उन्होंने कहा कि, आज प्रदेश में समूह लाखो की संख्या में काम कर रहे है, इसमें भी धार जिला सबसे ऊपर है। संबंधित विभाग महिलाओं को घर से निकालकर समूहों से जोड़ते है। उन्हें बैंक से ऋण दिलवाते है। जिससे अब दीदियां लखपति बन रही है। समूह से जुकड़कर दीदियां अपनी और अपने परिवारजनों पालन पोषण करने लगी हैं । उन्होंने कहा की बैंक के अधिकारियों द्वारा उनके कार्य को प्राथमिकता दी जाती हैं। जिससे अब हमारी दीदियां लगातार आगे बढ़ रही है। आज आपको स्कूटी भी दी जा रही है। आप सभी सावधानियां से इसे चलाएं साथ ही जिनका लाइसेंस नहीं है वे अभी अपना लाइसेंस बनाएं। मुख्यमंत्री चौहान ने लाड़ली बहना योजना लागू की है। इससे भी आप सभी लाभान्वित हो रही है, इससे मिलने वाला पैसा भी आपकी जरूरतों को पूरा करेगा। साथ ही आगामी दिनों में इसकी किश्त भी आने वाली है। जब मुख्यमंत्री श्री चौहान 1250 रुपए खातों में डालेंगे और यह राशि 3 हजार रूपए तक बढ़ाई जायेगी। अब गैस टंकी भी 450 में मिलने वाली है। आप भी आगे आए और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेवें। इसके साथ आप सभी अपने समूहों में हेंडीक्राफ्ट सामान के व्यवसाय में भी आगे आए। इसमें भी आमदनी अच्छी होती है। उन्होंने कहा की आप सभी दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं के साथ ही सजावट की दिशा में आगे आए। अभी जिला मुख्यालय पर राजा भोज उद्यान में स्व सहायता समूहों का मेला लगा था। यहां पूरे जिले के विभिन्न ग्रामों की ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों के द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु लगाए गए। जिसमें स्वयं सहायता समूह के माध्यम से तैयार जैसे उत्पाद उत्पाद बागप्रिंट की साड़ियाँ, सूट मटेरियल, बागप्रिंट जैकेट, बागप्रिंट रेडीमेड कपड़े, महेश्वर की प्रसिध्द बालीपुर सिल्क साड़ियाँ व सूट मटेरियल, हस्तशिल्प कला अंतर्गत निर्मित गृह साज सज्जा की सामग्री, ज्वेलरी, चूडिया, झाड़ू जूट के बैग, कपड़े के बैग, अगरबत्ति, बाँस की सामग्री, वॉश उत्पाद जैसे वाशिंग पाउडर, साबुन, सेनेटरी नैपकिन, लिक्विड डीटरजेंट, डिशवाश, टॉयलेट क्लीनर, फिनायल, खाद्य उत्पाद जैसे स्टीविया पावडर, सौंफ, अचार, पापड़, दाले, मसाले(मिर्च, हल्दी, धनिया पावडर) ज्वार, बाजरा, आजीविका नमक, आजीविका जैविक खाद व जैविक दवाईयाँ और इसके आलावा भी आप पाएंगे अन्य आकर्षक घरेलु उपयोगी सामग्री की 32 आजीविका दुकान लगाई गई थी। साथ ही आगे भी इसी तरह के मेले आयोजित होते रहेंगे। जिससे आपकी आमदनी लगातार बनी रहेगी।

आयोजित कार्यक्रम में 41 संकुल स्तरीय संगठनों को स्कूटी का वितरण किया गया। साथ ही बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 41 स्व सहायता समूहों को दो करोड़ छः लाख 40 हजार रुपए तथा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा 31 स्व सहायता समूहों को एक करोड़ पांच लाख 20 हजार रुपए कुल 72 स्व सहायता समूहों को तीन करोड़ 11 लाख 60 हजार रुपए के ऋण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में उटावद के राम रहीम आजीविका समूह की दीदी जरीना बी और नालछा के समूह की दीदी जीना भाटी ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण को देखा गया।

आप पार्टी ने ग्राम में गारंटी कार्ड का किया वितरण

माही की गूंज, बरझर।

बीते कई दिनों से आम आदमी पार्टी गांव-गांव, फलियों-फलियों में गारंटी कार्ड और आम आदमी पार्टी का प्रचार-प्रसार कर रही है। जिसमें आम आदमी पार्टी के समस्त पधाधिकारी, कार्यकर्ता, सर्कल प्रभारी और बूथ प्रभारी आदि ने खुद घर-घर जाकर आम आदमी पार्टी का प्रचार-प्रसार किया, साथ ही हजारों नए सदस्य बनाए। जिसके चलते जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज तैयार कर चुकी है और जनता के बीच दिल्ली और पंजाब मॉडल को लेकर खूब प्रचार किया जा रहा है। जनता द्वारा केजरीवाल मॉडल को जोबट विधानसभा में खूब पसंद किया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम बरझर में आम आदमी पार्टी के दिलीप सिंह भूरिया लोकसभा संयुक्त सचिव के नेतृत्व में गारंटी कार्ड का वितरण किया। इस दौरान भूरिया के साथ रवि किराड़े, ईश्वर झोलिया, मघेसिंह पचाया, राजू, वदेसिंह मावी व अन्य कार्यकर्ताओं ने गारंटी कार्ड वितरित किए।

दो फिट के गड्ढे पर डेढ़ लाख की मजदूरी का मस्टर हुए जारी

मनरेगा के तहत सार्वजनिक कूप निर्माण में धांधली, पीएम आवास की मजदूरी भी खा गया रोजगार सहायक

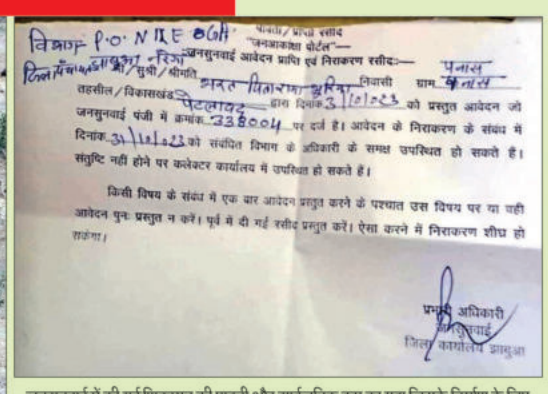

जनसुनवाई में की गई शिकायत की पावती और सार्वजनिक कूप का गड्ढा जिसके निर्माण के लिए डेढ़ लाख से अधिक की राशि का हुआ भुगतान।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

झाबुआ जिले का पेटलावद विकास खण्ड सरकारी योजनाओं को पलीता लगाकर उसमे भ्रष्टचार के नए आयाम गड़े जा रहे है। लगातार शिकायतो के बाद भी सीमित कार्यवाही और भष्ट्रो को बचाकर नाम मात्र की दिखावे की कार्यवाही के चलते भ्रष्ट अपना काम निरंतर बढाते जा रहे हैं। विगत दिनों करडावद पंचायत में पीएम आवास में फर्जीवाड़ा सामने आया था जिसकी जांच के बाद मात्र सचिव को निलंबित कर राशि की वसूली की गई।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत काजबी के ग्राम पनास में मनरेगा योजना में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। यहां ग्रामीणों ने झाबुआ जन सुनवाई में पहुचकर शिकायत दर्ज कराई है और रोजगार सहायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि, ग्राम पनास में सार्वजनिक कुप स्वीकृत किया गया। ग्रामीण का आरोप है कि, ऑफ द रेकार्ड पर उक्त कुप निमार्ण में कई हफ्ते काम करना बताकर डेढ़ लाख रूपये से अधिक की राशि के मस्टर निकालकर कुप का निर्माण होना बताया गया है। जबकि मौके पर मात्र दो फीट का एक गड्ढा बनाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि, रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा के कार्यो में भारी हेरा-फेरी की गई और फर्जी मजदुरी हाजरी मस्टर में भर दी। कुछ एक मजदुरो को छोड़कर बाकी सभी मजदुर ग्राम काजबी और ग्राम लालारूंडी के लोगो की हाजरी भरी हुई जिसमे से कई मजदुर रोजगार सहायक के रिश्तेदार भी है जबकि काम ग्राम पनास में हुआ, वहां के मजदूरों को कार्य की कोई जानकारी नही। ग्रामीणों ने शिकायत के साथ ऑनलाइन जारी मस्टर और मजदूरों की सूची भी दी है, जिससे खुला भ्रष्टाचार सिद्ध होता है।

नए सरपंच को कार्यो की जानकारी नही, ग्रामीणों के कार्य नही करता रोजगार सहायक

शिकायतकर्ता ग्राम पंचायत काजबी के रोजगार सहायक मुकेश बिलावल ने न केवल फर्जी तरीके से राशि निकली बल्कि मुख्यमंत्री लाडली बहना के लिये आवास के आवेदन लाडली बहनो द्वारा किये गये वो रोजगार सहायक द्वारा आज तक जनपद पंचायत में जाकर आनलाइन तक नहीं करवाये जाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों की माने तो ग्राम पंचायत सरपंच तक को पंचायत के कार्यो की जानकारी नहीं होना बताया जा रहा है।

ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा भी बताया गया कि, रोजगार सहायक के द्वारा मेरे सरपंच बनने के बाद से कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामीण रोजगार सहायक से परेशान है, रोजगार सहायक किसी भी ग्रामीण से बात नही करता और आईडी जोडने, हटाने जैसे कार्य के लिये भी सरपंच-सचिव के पास जाने का कहता है।

प्रधानमंत्री आवास की मजदूरी परिवार के खाते में डलवा दी

काजबी निवासी हरदा पिता वरदा कटारा ने भी जनसुनवाई में शिकायत दर्ज करवाई की उसके प्रधानमंत्री आवास निर्माण के द्वारा शासन द्वारा देय 18 हजार रुपये की मनरेगा योजना की मजदूरी का भुगतान होना था, लेकिन रोजगार सहायक द्वारा मेरे द्वारा दिये गए जाबकार्ड लेने के बाद आज-कल, आज-कल बोलकर टालता रहा। जब ऑनलाइन जानकारी निकाली तो पता चला कि, मजदूरी का पूर्ण भुगतान हो चुका है और रोजागार सहायक ने उसके परिवार के लोगो के जाबकार्ड लगाकर मेरे आवास में आई मजदूरी निकाल ली।

करड़ावद मामले में शिकायतकर्ता ने थमाए अधिकारीयो को कानूनी नोटिस

ग्राम पंचायत करड़ावद में हुए प्रधानमंत्री आवास में हुए गोलमाल घोटाले को लेकर शिकायत के बाद जांच में फर्जीवाड़ा सिद्ध हो गया है। सचिव को जिला सीओ द्वारा निलंबित किया गया, लेकिन शिकायतकर्ता गोपाल आंजना इस मामले में वकील द्वारा कानूनी नोटिस जारी करते हुए इस मामले भ्रष्टचार करने वालो के विरुद्ध शासकीय राशि मे हेराफेरी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की मांग की है। गोपाल आंजना ने बताया कि, चोर अलग चोरी करके पकड़े जाने पर माल वापस कर दे तो क्या उस पर अपराध दर्ज नही होगा। प्रधानमंत्री आवास जैसी महत्त्वकाशी योजना में फर्जीवाड़ा कर बिना किसी निर्माण के पूरी राशि दूसरे निर्माण के फ़ोटो जीयो टेग कर राशि का आहरण कर लिया गया और 18 हजार की मजदूरी फर्जी खातों में डाल दी गई जो कि, अपराध की श्रेणी में आता है। गोपाल आंजना ने बताया कि अगर प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही नही करता तो न्यायालय में जिले ओर जनपद के बड़े अधिकारियों के विरुद्ध निजी वाद प्रस्तुत करूंगा।

सीएम हेल्पलाईन समाधान की नहीं बल्कि पीड़ितों के लिए और ज्यादा पीड़ादायी बन चुकी यह योजना

नायाब तहसीलदार अपने आप को स्वंय हड़कीये कुत्ते जैसा होना कर रहा प्रचलित

माही की गूंज, झाबुआ/खवासा।

आज हम सिर्फ एक तहसीलदार के ही दायित्व की बात करें तो राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा में पास होने पर तहसीलदार का चयन होता है और तहसीलदार का कार्य तहसील/टप्पा तहसील के भू-राजस्व को एकत्र करना, राजस्व रिकॉर्ड को दुरुस्थ व सही पैमाने पर रखना, साथ ही तहसीलदार को एसडीएम के जूनियर लेवल का अधिकारी होकर कार्यकारी मजिस्ट्रेट का दर्जा भी होता है।

तहसीलदार/नायब तहसीलदार को दिए हुए कार्य उन्हें शासन की योजनाओं के अनुसार करना होता है। साथ ही भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत अपना कार्य कर पुख्ता सबूत के आधार पर भू-समस्या सबंधित अपनी तालुका में न्यायिक संबंधी कोई भी याचिका दायर होती है तो याचिका कर्ताओ व संबंधित अनावेदको को तालुका न्यायालय में बुलाकर विधि सम्मत जांच रिपोर्ट के साथ संवैधानिक निर्णय व आदेश जारी किया जाना होता है। लेकिन कोई अधिकारी इस गरिमामय पद पर आसीन होकर अपने आप को एसडीम, कलेक्टर या सरकार से भी ऊपर मानकर पीड़ित व याचिका कर्ताओं पर अपना रोप ऐसा झाड़ता है कि, उससे बड़ा कोई साहब ही नहीं है। ऐसे अधिकारी के बारे में किस तरह की उपाधि दी जाए यह हमें नहीं मालूम।

थांदला अनुविभाग के खवासा टप्पा तहसील में पदस्त पलकेश परमार की बात करें तो यह मनुष्य जीवन में अलग ही प्रजाति का अधिकारी होना प्रतीत होता है। यह साहब एसडीएम, कलेक्टर तो क्या मुख्यमंत्री को भी अपने पैरों की जूती अपने पद के आगे समझता है। साहब की खवासा में अपनी नव नियुक्ति के साथ ही एक रास्ते के विवाद को लेकर रोग्यादेवी मंदिर के सामने मौका-मुआयना हेतु पहुंचे थे। यहां पूर्व से स्थाई रूप से बिकने वाली शंभू चौहान की अवैध शराब दुकान पर अवैध शराब बिकते हुए व शराब पीते हुए ग्राहक दिखाई दिए तो साहब ने अपनी सख्त कार्यप्रणाली को दर्शाते हुए अपने आप को ईमानदार एवं निष्पक्ष कार्यवाही करने वाला अधिकारी होना प्रदर्शित करते हुए, शंभू चौहान के उक्त अवैध शराब के अड्डे पर शराब बेच रहा शंभू चौहान के मुलाजिम से लाइसेंस की जानकारी ली, लाइसेंस नहीं होने की बात पर पुलिस को निर्देशित कर अवैध शराब का प्रकरण मुलाजिम के नाम से ही बनाया गया। इसके बाद लगा था कि, साहब सही दिशा में कार्य करने वाले हैं और साहब ईमानदार भी है लेकिन क्षेत्र वासियों के लिए यह विश्वास क्षणिक समय में ही अविश्वास में बदल गया और सामने आया कि, शराब ठेकेदार के नुमाइंदों ने साहब से बात कर ली। साहब, खवासा तो क्या क्षेत्र में कहीं भी इस तरह से अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही नहीं करवाएंगे और साहब ने यह प्रपोजल स्वीकार कर लिया। यह चर्चा शराब ठेकेदार के नुमाइन्दो द्वारा ही की जा रही है। जो लोगों के सामने सही साबित होकर टप्पा तहसील के सामने अपने पटवारी क्वार्टर के पास ही शनिराज होटल, सीएमराईज स्कूल के पास बने नए ढाबे के साथ ही गांव में कमलेश भटेवरा, थांदला मार्ग पर एक अन्य शनिराज होटल, बाजना मार्ग पर रोग्यादेवी मंदिर के सामने व उसी मार्ग पर संत टेरेसा स्कूल के समीप शंभू चौहान के अड्डे पर व जितेंद्र गेहलोत आदि कई खवासा में ही साहब अपनी नजरों के सामने ही अवैध शराब बिकवा रहे हैं की चर्चा जमकर चल रही है। इसी के साथ साहब अपनी ऐसी साहब गिरी झाड़ते हैं कि, वह कोई गंभीर अधिकारी नहीं बल्कि ÷अनवाटकी को वाटकी मिल जाए तो वह पानी पी-पीकर पेट फोड़ दे÷ साहब तहसीलदार क्या बन गए वो हर किसी को अपने पैरों की जूती समझकर किसी को भी कुछ भी कहकर धमकाने की अपनी पृष्ठभूमि से बाज नहीं आ रहे हैं। जिसको देखकर क्षेत्रवासी कहने लगे है कि, साहब स्वयं खुद ही अपने आप को हड़किए कुत्ते जैसा होना प्रचलित कर रहे हैं।

देखा भी गया है कि, साहब किसी प्रकरण में मौके पर

फाइल फोटो- विवादित नायब तहसीलदार पलकेश परमार।

पहुंचे तो पत्रकार कवरेज करने हेतु फोटो खींचने पर 353 ,354 की धमकी दी गई। वही अतिवृष्टि के दौरान साहब समस्या के समाधान के लिए पहुंचे वहां भी भाजपा के पदाधिकारी को भी इसी प्रकार धमकी दे डाली। लेकिन साहब कहीं ना कहीं अपनी साहब गिरी दिखाते हुए अपनी विवादित एवं अहमकारी पृष्ठभूमि के साथ हर जगह अपने बेतूके जवाबों से तहसीलदार जैसे सम्माननीय पद की गरिमाओं को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इसी कड़ी में साहब की अपनी मनमानी रूपी कार्य प्रणाली के चलते कई किसानों ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत भी की गई। एक किसान महेश पिता नानूराम दरबोडिया निवासी खवासा ने रास्ते को लेकर न्याय की अपेक्षा के साथ याचिका तहसील कार्यालय में लगाई गई। लेकिन उक्त किसान को न्याय की जगह साहब की उग्र पृष्ठभूमि से रूबरू होना पड़ रहा है। जिसके चलते नायाब तहसीलदार याचिकाकर्ता पीड़ित महेश पाटीदार को तारीख के दौरान कार्यालय में कहते हैं, काई की तारीख है, महेश कहता है साहब वही रास्ते वाली प्रकरण की तारीख। साहब- हो गया तेरा प्रकरण खत्म, महेश- कहां हुआ प्रकरण खत्म आप प्रकरण खत्म करोगे तो होगा ना खत्म प्रकरण। साहब- मैं प्रकरण कहां से खत्म करूंगा मुझे तो साक्ष्य चाहिए, महेश- है ना साहब मेरे पास साक्ष्य और साक्ष्य को मैं 6 से 7 बार ले आया पर साक्ष्य को कोई लेने के लिए ही तैयार नहीं। साहब- मैं बैठा हूं न साक्ष्य लेने के लिए, महेश- साहब में पिछली तारीख पर भी साक्ष्य लेकर आया था पर आपने साहब कहा था कि, स्थल निरीक्षण करूंगा। साहब- हो गया तेरा स्थल निरीक्षण, महेश-कहां हुआ सर आप आए ही नहीं। साहब- मैं समझा कि, तेरी सीएम हेल्पलाइन चल रही है तो सीएम हेल्पलाइन वाले ही स्थल निरीक्षण करेंगे, महेश- साहब निरीक्षण तो आप ही करोगे। साहब- मैं अलग हु और सीएम हेल्पलाइन अलग है इसलिए निरीक्षण तो सीएम हेल्पलाइन वाले ही करेंगे।

जिसके बाद साहब ने निरीक्षण करने हेतु अंतरिम आवेदन देने की बात कह कर बात को टाल-मटोल कर दिया। इस तरह से साहब पलकेश परमार अपनी कथनी की शिकायत होने के बाद अपने आप को, मुख्यमंत्री से बड़ा मानकर अपनी साहब गिरी का रोप बताते है। इसी प्रकार एक अन्य याचिकाकर्ता नारायण पाटीदार जिसका सर्वे क्रमांक 286/2 का नक्शा दुरुस्ती हेतु आवेदन दिया। उक्त खाते में 32 आरा जमींन रिकॉर्ड में है जो की नक्शे में त्रुटीवश 17 से 18 आरा जमीन के आधार पर नक्शा दर्शा रहा है। वहीं उक्त मामले में सर्वे नंबर 286/1 व याचिकाकर्ता नारायण पाटीदार के सर्वे क्रमांक 286/2 के सीमांकन के साथ दोनों किसानों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है और पलकेश परमार के निर्देशन में पुर्व राजस्व निरीक्षक ने भी गोल-मोल पंचनामा बनाकर याचिका करता के खिलाफ कास्तानी दिखाई गई। वही याचिकाकर्ता के पुत्र पवन पाटीदार द्वारा भी नक्शा दुरुस्त नहीं होने पर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर नायब साहब पलकेश परमार ने एक से अधिक बार सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत को वापस लेने का दबाव बनाया। शिकायत वापसी नहीं लेने पर साहब ने अपनी पृष्ठभूमि के चलते अपनी साहब गिरी बताकर मंगलवार को तारीख के दौरान ऐसा धमकाया कि, में एक पक्षिय कार्रवाई कर दूंगा। तूम मेरा कुछ नहीं कर सकते। जिस पर याचिकाकर्ता नारायण ने कहा कि, साहब में तो मेरे अधिकार व हक की भूमि का नक्शे में सुधार करवाकर आपसे न्याय की उम्मीद् में अर्जी की है, आप एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए मेरे खिलाफ आदेश जारी करने की बात कर रहे हो तो ऊपरी न्यायालय भी है। आपको जो आदेश जारी करना है कर दो। जब याचिकाकर्ता ने साहब को उसकी औकात बताई तो साहब पूरी तरह से तिल मिलाकर अपने कुत्तेपन का परिचय देते हुए लेखपाल को निर्देशित कर कहने लगे, प्रतिदिन तारीख लगाओ और जल्द ही एकपक्षीय निराकरण की बात कहते हुए गुरुवार की ही तारीख देकर एक अदने याचिकाकर्ता को धोस दी गई।

इसी तरह कई साहब के कुत्तेपन की कहानी पीड़ितों द्वारा अलग-अलग बताई जा रही है और कइयों ने शिकायत कर रखी हैं। ऐसे में नायाब तहसीलदार पलकेश परमार की साहब गिरी के रोप के साथ विवादित कार्यप्रणाली के चलते समय पर एसडीएम या कलेक्टर ने संज्ञान नहीं लिया तो साहब की विवादित कार्यप्रणाली के चलते कहीं कोई मामला बड़ा तुल नही पकड़ ले जिससे क्षेत्र की शांत फिजा बिगड़ जाए। उक्त चिंतन क्षेत्र का बुद्धिजीवी वर्ग कर रहा है।

राजनीतिक रस्साकसी के बीच जल्द ही लागू हो सकती है चुनावी आचार संहिता

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी।

आचार संहिता के बाद ही गर्माएंगे राजनीतिक समीकरण, आएगा उबाल

प्रदेश में नवम्बर माह में विधानसभा चुनाव होना है। हालांकि इसको लेकर निर्वाचन विभाग की अभी तक कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन बताया जा रहा है कि, जल्द ही इसकी अधिकारिक घोषणा होगी और आचार संहिता लागू हो जाएगी। अभी आचार संहिता लागू नहीं है, लेकिन रजनीतिक रस्साकसी का माहौल पूरे प्रदेश में जमकर देखने को मिल रहा है। कई तरह के उलट फेर प्रदेश भर में देखने को मिल रहे है तो नेताओं की दल बदलने की प्रक्रिया भी जोरो-शोरो से चल रही है। पूरे प्रदेश में इस भारी राजनीतिक उठा पटक में आचार संहिता लगने के बाद और उबाल आने की आशंका जताई जा रही है।

आचार संहिता को लेकर कई तरह की बातें सोशल मीडिया पर गौते खा रही है। कईयों ने तो आचार संहिता लगने की तारीखों तक की घोषणा अभी से कर दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही इन लहरों की कोई पुष्टी अब तक नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया पर गौते खाती इन सूचनाओं को सही भी मान लिया जाए तो 6 से 8 अक्टूबर के बीच आचार संहिता लागू हो जाएगी। माही की गूंज इस बात की पुष्टी नहीं करता लेकिन आचार संहिता लगने के बाद पूरे प्रदेश में राजनीतिक खिंचड़ी में भारी उबाल देखने को मिल सकता है।

हालांकि राजनीतिक पार्टियां खुले तौर पर पिछले एक माह से चुनावी बिसात बिछाने में लग चुकी है। प्रदेश में भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की तीन सूची जारी कर दी है और चौथी सूची जल्द ही आने की संभावनाएं जताई जा रही है। इसके उलट कांग्रेस ने अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। सुत्र बताते है कि, कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की एक बड़ी सूची जारी करने वाली है जिसमें लगभग 80 से 90 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है।

इधर प्रदेश भाजपा लगभग दर्शक दिर्घा में नजर आ रही है, क्योंकि प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनावों की कमान इस बार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने अपने हाथों में ले रखी है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने अब तक प्रदेश की 80 से अधिक सीटों पर अपने हिसाब से अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। मगर फजीहत यह है कि, भाजपा की इस सूची के जारी होने के बाद भाजपा में भारी बगावत देखने को मिल रही है। कई नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है और कांग्रेस में शामिल हो गए है। प्रदेश भाजपा में बगावती सुर दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे है। जारी सूची में भाजपा ने कई सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा के होने जा रहे चुनावों में मैदान में उतार दिया है। आमजन की नजर में इसके कई मायने दिखाई पड़ रहे है। राजनीतिक चर्चाओं का दौर गर्मा गया है। कई लोग भाजपा के इस फैसले को उसकी बौखलाहट बता रहे है, तो कई लोगों का यह मानना है कि, भाजपा चुनाव जीते या हारे इस बार मामा का जाना तय है। इसके अलावा भी कई बातें है जो राजनीतिक चौपालों में तैर रही है। असल में यह कहा जा रहा है कि, प्रदेश स्तर के चुनाव भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए नाक का सवाल बन गया है। जिसके चलते ही भाजपा ने अपने केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों का डीमोशन कर विधानसभा चुनावों में मैदान में उतारा है। हालांकि चुनावी मैदान में

उतरे सांसदों और मंत्रियों का कहना है कि, प्रत्याशियों की घोषणा पार्टी की रीति-नीति का हिस्सा है, पार्टी में किसी तरह की कोई बौखलाहट नहीं है और आने वाला विधानसभा चुनाव हम प्रदेश में जीत रहे है। एक बार फिर भाजपा मध्यप्रदेश में अपनी सरकार बनाने जा रही है।

भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लगभग तीन माह पूर्व ही अपनी पहली सूची जारी कर दी थी। जिसमें लगभग 39 प्रत्याशियों के नाम सामने आए थे। ये वे सीटें थी जहां भाजपा पहले से ही विपक्ष में है, यानि पहले यह 39 सीटें भाजपा हार चुकी है। भाजपा के इतनी जल्दी पहली सूची जारी करने को लेकर वरिष्ठ भाजपाईयों के यह तर्क थे कि इन सीटों पर जल्दी प्रत्याशियों की घोषणा इसलिए की गई है कि विरोधियों और बागियों को मनाया जा सके और डेमेज कंट्रोल किया जा सके। मगर अब तक भाजपा की तीन सूची जारी हो चुकी है, बावजूद इसके कहीं भी डेमेज कंट्रोल जैसी स्थिति प्रदेश में दिखाई नहीं पड़ रही है। इसके उलट यह माना जा रहा है कि भाजपा ने कहीं न कहीं प्रत्याशियों की घोषणा को लेकर बहुत ही जल्दी कर दी है और हो सकता है इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़े। क्योंकि जैसे-जैसे प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा हो रही है, वैसे-वैसे ही विरोध के स्वर और अधिक बढ़ते जा रहे है और असंतुष्टों की एक लंबी फहरिस्त सामने आ रही है। भाजपा में अब भी कई बगावती सुर नजर आ रहे है, तो कई असंतुष्टों ने भाजपा को ही अलविदा कह दिया है। कई पूर्व विधायकों ने बगावत करते हुए कांग्रेस का हाथ थाम लिया है तो कई पूर्व विधायक अब भी घोषित प्रत्याशियों के विरोध में अपनी ही पार्टी से बगावती तेवर दिखाते हुए मैदान में डटे हुए है। कुल मिलाकर अब तक प्रदेश में भाजपा की स्थिति किसी भी दिशा और दशा में ठीक तो नहीं दिखाई दे रही है।

प्रदेश स्तर पर कांग्रेस अभी तक तो एक जुट दिखाई पड़ रही है। उत्साह भी चरम पर है। संभावनाएं भी पक्ष में है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। शायद यही कारण है कि, अब तक कांग्रेस एक पटल पर और एक जुट दिखाई पड़ रही है। मगर कांग्रेस की प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद हालात कैसे रहेंगे यह अभी भविष्य के गर्त में है। क्योंकि हो सकता है कि, प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद कांग्रेस में भी बगावत देखने को मिले। क्योंकि प्रदेश में लंबे समय से वनवास काट रही कांग्रेस में भी कई उम्मीद्वारों की कतारें है। यह भी तय है कि, हर किसी को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। अब देखना यह है कि, कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की सूची किस तरह से प्रदेश में सामने रखती है। असंतुष्टों और बागियों को किस तरह से कंट्रोल करती है। क्योंकि जब तक कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं कर देती यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल ही होगा कि कांग्रेस की क्या स्थिति है।

कुल मिलाकर प्रदेश में राजनीति आचार संहिता के पहले ही गरमाई हुई है। मगर आचार संहिता लगते ही इसमें और अधिक उबाल आने की संभावनाएं नजर आ रही है। चुनाव की स्थिति भी इसके बाद ही तय होगी कि, कौन किस पर कितना भारी है। भले ही यह माना जा रहा है कि, भाजपा इस विधानसभा चुनाव में हासिये पर है, लेकिन यह कह पाना भी मुश्किल है कि, कांग्रेस अपनी विजय को लेकर आश्वस्त है। भाजपा में प्रत्याशियों की घोषणा के बाद स्थिति कुछ हद तक स्पष्ट है, लेकिन कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले है। कांग्रेस के पत्ते खुलते ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है की बाजी कब कहां और किसकी कितनी मजबूर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422